www.dainikjayantnews.com
देहरादून
सोमवार: 30 नवम्बर 2026
वर्ष: 17
अंक: 192 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

नशा युवाओं के लिए बड़ी चुनौती

मुक्ति जरूरी

पीएम ने मन की बात में की नशे की लत पर बात

बताया-खोया मोबाइल संचार साथी से कैसे मिलेगा



नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने मन की बात के 140वें एपिसोड में नशे की लत पर बात की। उन्होंने कहा- मैं आज एक जरूरी विषय उठा रहा हूं। वो है ड्रग्स। हमारे युवा आज बड़े बड़े सपने देख रहे हैं लेकिन युवाओं के लिए नशा एक चुनौती बन गई है। आज ऐसे कितने ही उदाहरण देखने को मिले हैं जिन्होंने ड्रग्स के खिलाफ जीवन की लड़ाई लड़ी है। पीएम ने संचार साथी एप का भी जिक्र किया। कहा कि अगर मोबाइल फोन खो जाए तो यह एप उसे ढूंढ़ने में आपकी मदद करेगा। पीएम मोदी ने कॉल पर जुड़े एक युवक से पूछा- आप बताइए आप नशे की लत में कैसे पहुंचे। युवक ने कहा- मैं दिल्ली के सदर बाजार में रहता था। मैं देखता था कि लोग आसपास नशा कर रहे थे। मैंने 10वीं में पहली बार नशा किया। पहले शौक था। फिर मुझे लत लग गई। इतनी बुरी आदत लगी कि घर के सारे पैसे वहीं खर्च कर देता था।

मोदी ने पूछा- आप इस लत से बाहर कैसे आए

जवाब-मेरे पापा-मम्मी की मौत कम उम्र में हो गई थी। मैं नानी के यहां आ गया था। जब नानी की मौत हुई तो मैं अनाथ हो गया। मैं नशे की लत में था। सड़कों पर घूमता था। मुझे मौत दिखने लगी। मेरा एक दोस्त था, जिससे मुझे उम्मीद थी। जब मुझे उसने भी मना कर दिया तो लगा कि इस नशे की वजह से मैं सब कुछ खो चुका हूं। फिर मुझे लगा मुझे इसे छोड़ देना चाहिए। मैंने खुद वसंत कुंज में एक नशामुक्ति केंद्र ढूंढा और अपनी जिंदगी बदली। पीएम ने कहा- दोस्त, मैं आपको फिर से बहुत बधाई दूंगा कि आप ड्रग्स की इस भयानक लत से बाहर निकले। आपने दिखाया है कि जब इच्छाशक्ति हो तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रह जाता है। आपकी बातें सुनकर ऐसे अनेक युवाओं को शक्ति मिलेगी, जो ड्रग्स की लत को छोड़ना चाहते हैं।

पीएम बोले- सीखने की कोई उम्र नहीं होती

पीएम मोदी ने कहा- जीवन में जब भी हम कुछ नया सीखते हैं, तो हमें एक अलग ही आनंद की अनुभूति होती है और सीखने की तो कोई उम्र भी नहीं होती। आज मैं आपसे देश के उन लाखों सरकारी कर्मचारियों की बात करना चाहता हूं। इनमें कुछ नया सीखने का उत्साह देखने को मिल रहा है। मोदी ने कहा- इनमें से कई लोग 20-25 सालों से सरकारी सेवा में हैं। इतना लंबा अनुभव होने के बावजूद ये अपनी जिम्मेदारियां निभाते हुए कुछ नया सीखने के लिए भी समय निकाल रहे हैं, और इसके लिए वो, एक डिजिटल प्लेटफॉर्म की मदद ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस प्लेटफार्म पर सरकारी कर्मचारियों के लिए 17 भारतीय भाषाओं में 7 हजार से ज्यादा कोर्स उपलब्ध हैं। लाखों सरकारी कर्मचारियों ने अनेक कोर्स पूरे किए हैं। कोई एनडीए की पढ़ाई कर रहा है, तो कोई साइन लैंग्वेज सीख रहा है। एआई और नई पढ़ाई को लेकर हमारे कर्मयोगियों में, मैं, विशेष उत्साह देख रहा हूं।

पंजाब में आतंकी हमले की साजिश नाकाम

केसीएफ मॉड्यूल का भंडाफोड़, बरामद हुए हैंड ग्रेनेड, दो आरोपी गिरफ्तार

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के अमृतसर में आतंकी नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) अमृतसर और काउंटर इंटेलीजेंस जालंधर ने केंद्रीय एजेंसी के साथ मिलकर आईएसआई समर्थित खालिस्तान कमांडो फोर्स (केसीएफ) के एक आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। इस संयुक्त अभियान में दो प्रमुख आरोपियों को शहीद भगत सिंह नगर (नवांशहर) से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए आतंकियों के कब्जे से चार 86-पी हैंड ग्रेनेड, दो 9 एमएम पिस्तौल और 20 कारतूस बरामद किए हैं। इस बरामदगी से एक संभावित आतंकी हमले की साजिश को नाकाम करने में सफलता मिली है। प्रारंभिक जांच के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों ने विदेशी हैंडलरों के निर्देश पर यह विस्फोटक सामग्री और हथियार हासिल किए थे। यह सामग्री शहीद भगत सिंह नगर के बहराम के पास एक स्थान से प्राप्त की गई थी। यह मॉड्यूल विदेशी हैंडलरों द्वारा संचालित किया जा रहा था। इस मामले में बीएनए आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज है।

संसद सत्र से पहले प्रधानमंत्री मोदी का नया वीडियो,आज पेश होगा बिल

भारत की प्रगति, नारीशक्ति के सपनों की उड़ान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद सत्र से पहले रविवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर महिला आरक्षण से जुड़ा नया वीडियो जारी किया है। उन्होंने कहा कि

महिला आरक्षण पर बोले-प्रयास करने वालों में मैं भी

नारी शक्ति की भागीदारी दिलाने की लड़ाई दशकों से चल रही है। वर्षों से मैं भी इसके लिए प्रयास करने वालों में से एक हूं। प्रधानमंत्री ने कहा आगे कहा कि नारी सशक्तिकरण का भाजपा, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का संकल्प अक्षुण्ण है। हमारे लिए देशहित सर्वोपरि है। लेकिन जब कुछ लोगों के लिए दल हित सब कुछ हो जाता है। दल हित देशहित से बड़ा हो जाता है, तो नारी शक्ति, देशहित को इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है। नारी शक्ति वंदन संशोधन समय की मांग है।



हमारा आत्मबल अजय है। हमें आधी आबादी के सपनों के लिए, देश के भविष्य के लिए इस संकल्प को पूरा करना ही है। इससे पहले पीएम मोदी ने शनिवार को भी एक वीडियो साझा किया था। जिसमें उन्होंने कहा था कि देश की नारी शक्ति से एक वादा किया गया है और सरकार उसे पूरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, महिला आरक्षण का विरोध करने वाली पार्टियां देश की नारी शक्ति को संसद और विधानसभाओं में अपनी भागीदारी बढ़ाने से कभी नहीं रोक पाएंगी। यह बस समय की बात है। पीएम मोदी ने कहा कि सरकार का संकल्प पक्का है और उसे देशभर की महिलाओं का समर्थन हासिल है। बता दें कि संसद के विशेष सत्र में परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़े विधेयक को आगे बढ़ाने की तैयारी है। इससे पहले शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने परिसीमन संशोधन विधेयक और महिला आरक्षण से जुड़े विधेयकों को मंजूरी दी थी।

प्रस्तावित बदलावों के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में सीटों की संख्या बढ़ाने तथा 2029 के लोकसभा चुनाव में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का प्रस्ताव है।

पश्चिम एशिया से बढ़ाया आयात,बदल रही है रणनीति

बदल रहा देश! भारत ने रूस से घटाई अब तेल की खरीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने नवंबर में रूस से कच्चे तेल की खरीद काफी घटा दी है। इस साल के मध्य में रूस से तेल का आयात सबसे ज्यादा था। लेकिन अब इसमें गिरावट आई है। इसकी कई वजहें हैं। पश्चिम एशिया से तेल की आपूर्ति में बदलाव हुआ है। रूस ने तेल पर मिलने वाली छूट कम कर दी है। माल ढुलाई का खर्च भी बढ़ गया है। इन वजहों से भारतीय तेल रिफाइनर अब दूसरे देशों से भी तेल खरीद रहे हैं। हालांकि, भारत की तेल खरीद रणनीति में रूस की अहमियत अभी खत्म नहीं हुई है। रूस का तेल अब भी भारत के लिए एक अहम स्रोत बना हुआ



है। केप्लर के आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर में रूस से भारत का कच्चे तेल का आयात घटकर करीब 16.5 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया। जुलाई में यह करीब 28 लाख बैरल प्रतिदिन के रिकॉर्ड स्तर पर था। केप्लर कमोडिटी बाजार से जुड़ी जानकारी देने वाली कंपनी है। इसके बाद सितंबर में आयात घटकर 18.7 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया था। अक्टूबर में इसमें थोड़ी बढ़ोतरी हुई। यह 20.5 लाख बैरल प्रतिदिन पहुंच गया था। रूस से आयात में गिरावट के साथ ही पश्चिम एशिया के पुराने तेल आपूर्तिकर्ताओं से खरीद बढ़ी है। खासकर सऊदी अरब और इराक से तेल की आपूर्ति में सुधार हुआ है। होर्मुज जलडमरूमध्य से कच्चे तेल की आवाजाही धीरे-धीरे बेहतर हो रही है। नवंबर में भारत ने सऊदी अरब और इराक से 16.1 लाख बैरल तेल खरीदा।

जगदीप धनखड़ को अब तक नहीं मिला सरकारी आवास

राजधानी दिल्ली के निजी फ्लैट में शिफ्ट होंगे पूर्व उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को राष्ट्रीय राजधानी में अब तक सरकारी आवास नहीं मिला है। ऐसे में बड़ा अपडेट सामने आ रहा कि एक दिसंबर को पूर्व उपराष्ट्रपति दिल्ली के एक निजी फ्लैट में शिफ्ट हो जाएंगे। बताया जा रहा कि पिछले साल जुलाई में उन्होंने उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दिया था। इसके बाद से उन्हें कोई सरकारी आवास आवंटित नहीं किया गया है। अब उनके सचिव अभ्युदय सिंह शेखावत ने एक्स पर पोस्ट में उनके निजी आवास पर शिफ्ट होने की जानकारी दी है। अभ्युदय सिंह ने बताया कि 1 दिसंबर 2026 से, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का निवास स्थान अपार्टमेंट 8ए, सागर अपार्टमेंट्स, 6, तिलक मार्ग, इंडिया गेट के पास, नई दिल्ली - 110001 पर एक निजी आवास होगा।

चुनावी तैयारी

नूरपुर से 23 दिसंबर को चुनावी शंखनाद करेंगे पीएम मोदी, किसान-जाट बेल्ट पर नजर

पश्चिमी यूपी की सियासत में बीजेपी का बड़ा दांव

हापुड़ (एजेंसी)। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सियासत में इस बार चुनावी शंखनाद किसी आम सियासी मंच से नहीं, बल्कि किसान राजनीति के सबसे बड़े प्रतीकों में शुमार पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जन्मस्थली नूरपुर से होगा। 23 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यहीं से यूपी विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंकेंगे। पश्चिमी यूपी की 136 विधानसभा सीटों वाले किसान-जाट बेल्ट को चुनावी रणनीति के केंद्र में रखने का यह फैसला अपने



आप में अहम राजनीतिक संदेश है। पिछले चुनाव में भाजपा ने इस क्षेत्र में 93 सीटें जीती थीं, लेकिन किसान आंदोलन के बाद किसान और जाट मतदाताओं के बीच पार्टी की पकड़ को लेकर उठते रहे सवालों के बीच नूरपुर का चयन बताता है कि इस बार भाजपा शुरुआत से ही पश्चिमी यूपी के सियासी समीकरणों को साधने पर जोर दे रही है। चौधरी चरण सिंह की विरासत से जुड़ी धरती पर मोदी का पहुंचना महज रैली नहीं, बल्कि बड़ी राजनीति है।

93 सीटों पर जीत दर्ज की

पश्चिमी उत्तर प्रदेश की 136 विधानसभा सीटों को राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा ने इस क्षेत्र में 93 सीटों पर जीत दर्ज की थी। इसके बावजूद किसान आंदोलन के बाद उपजे राजनीतिक विमर्श और जाट मतदाताओं के रुख को लेकर भाजपा की क्षेत्रीय पकड़ पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। वहीं, जाट मतदाताओं को साधने के लिए पिछले दिनों भूपेंद्र चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया, लेकिन वह बिरादरी में खास पकड़ नहीं दिखा सके। ऐसे में चौधरी चरण सिंह की जन्मस्थली से चुनावी अभियान की शुरुआत का राजनीतिक महत्व बढ़ जाता है। इसके जरिए भाजपा किसान राजनीति के ऐतिहासिक प्रतीकों से जुड़ाव, जाट समाज तक राजनीतिक संवाद और पश्चिमी यूपी में संगठनात्मक मजबूती का संदेश देने की कोशिश होती दिखाई द रही है। दरअसल, पश्चिमी यूपी की राजनीति में किसान और जाट मतदाता लंबे समय से निर्णायक भूमिका निभाते रहे हैं। ऐसे में चुनावी बिगुल इसी धरती से फूंकने का फैसला बताता है कि भाजपा इस बार चुनावी रणनीति में पश्चिमी यूपी को शुरुआती प्राथमिकता में रख रही है।

प्रदेश की राजनीति की चाबी होगा वेस्ट यूपी

उत्तर प्रदेश की सत्ता का रास्ता पश्चिमी यूपी से होकर गुजरता है। प्रदेश की करीब 403 विधानसभा सीटों में पश्चिमी क्षेत्र की 136 सीटें राजनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण हैं। प्रदेश की कुल सीटों का करीब एक-तिहाई हिस्सा इसी क्षेत्र में आता है। किसान, जाट, मुस्लिम, गुर्जर, दलित और अन्य पिछड़े वर्गों की प्रभावशाली मौजूदगी इसे चुनावी राजनीति का अहम केंद्र बनाती है। ऐसे में आगामी चुनावों से पहले इस प्रभावशाली पक्ष को साधकर आगे बढ़ने की तैयारी है। पश्चिमी यूपी का सियासी मिजाज गन्ना भुगतान, किसान हित, बिजली, रोजगार, कानून-व्यवस्था और सांप्रदायिक सौहार्द जैसे मुद्दे चुनावी विमर्श को दिशा देते हैं। 2017 में भाजपा ने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल की थी, जबकि 2022 में कई इलाकों में विपक्षी दलों ने अपनी स्थिति मजबूत की। जाट मतदाताओं की मेरठ, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, बिजनौर, मुरादाबाद और आसपास के जिलों में अहम भूमिका है।

मतभेदों के बावजूद देश का हर नागरिक एक परिवार

मोहन भागवत बोले-हर भारतीय के दिल में देशभक्ति संघ चीफ बोले-युवाओं में अब राष्ट्र प्रथम की सोच



नई दिल्ली(एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि आपसी मतभेदों के बावजूद देश का हर नागरिक एक ही परिवार का हिस्सा है। दरअसल, आरएसएस ने दिल्ली के रोहिणी इलाके में मेगा इवेंट किया। इसका नाम 'राष्ट्र वंदनम' रखा गया है। इसमें आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस जगदीश सिंह खेहर शामिल हुए। उन्होंने कहा कि आज हर भारतीय के दिल में देशभक्ति जाग रही है और देश का युवा राष्ट्र प्रथम की सोच के साथ भारत को दुनिया का नंबर एक देश बनाना चाहता है। भागवत ने बताया कि स्वयंसेवकों ने पिछले 100 सालों से लोगों के दुख-दर्द को समझकर निःस्वार्थ सेवा की है।

विदेशों में भारत की सकारात्मक छवि

मोहन भागवत ने बताया कि अपनी तीन देशों की यात्रा के दौरान उन्होंने महसूस किया कि तमाम नकारात्मक प्रचार के बावजूद, विदेशों में आम लोगों, युवाओं के बीच भारत को लेकर काफी गर्व, आश्चर्य और बड़ी उम्मीदें हैं।'

सियासत

नितिन नवीन से मुलाकात के बाद अटकलों का दौर शुरू

अब राजनीति की पिच पर उतरेंगे शमी! होगा 'खेला'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद शमी ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की। इस दौरान भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष कुंवर बासित अली भी मौजूद रहे। इस मुलाकात की तस्वीर सामने आई है, जिसमें मोहम्मद शमी, नितिन नवीन और कुंवर बासित अली एक साथ नजर आ रहे हैं। हालांकि, मुलाकात के दौरान किन मुद्दों पर चर्चा हुई, इसे लेकर फिलहाल कोई जानकारी सामने नहीं आई है। भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद शमी की हालिया मुलाकातों ने सियासी गलियारों में चर्चाओं को तेज

कर दिया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात से पहले शमी ने राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी से भी मुलाकात की थी। इन मुलाकातों के बाद शमी के राजनीति में उतरने की अटकलें लगाई जा रही हैं। दरअसल, जयंत चौधरी ने मोहम्मद शमी के साथ मुलाकात की तस्वीर अपने फेसबुक अकाउंट पर साझा की थी। उन्होंने शमी जैसे महान क्रिकेटर से मिलना सुखद अनुभव बताया था। इस मुलाकात के बाद अमरोहा समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सियासी हलकों में चर्चाएं शुरू हो गईं।

अमरोहा के रहने वाले हैं शमी

मोहम्मद शमी मूल रूप से अमरोहा के सहसपुर अलीनगर के रहने वाले हैं। पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर उनके या उनके परिवार के किसी सदस्य के राजनीति में आने की चर्चाएं चल रही हैं। दिल्ली में जयंत चौधरी से हुई मुलाकात ने इन अटकलों को और हवा दे दी। इसके बाद शमी ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से भी मुलाकात की। इस दौरान भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर बासित अली भी मौजूद रहे। इस मुलाकात की तस्वीर भी सामने आई है। हालांकि, मोहम्मद शमी की इन मुलाकातों के पीछे की वजह और उनके राजनीति में आने को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। ऐसे में फिलहाल उनके सियासी सफर को लेकर लगाई जा रही अटकलों को महज चर्चाएं ही माना जा रहा है।

रांची-पटना हाईवे पर भीषण सड़क हादसा

चार बच्चों और महिलाओं समेत 13 की मौत

रांची (एजेंसी)। झारखंड में रात करीब 2.00 बजे, बिहार के नालंदा जिले से आ रही एक स्कॉर्पियो गाड़ी रामगढ़ जिले के कुजू आउटपोस्ट थाना क्षेत्र के अंतर्गत पैंकी में, रांची-पटना मुख्य मार्ग पर



दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में चार बच्चे और चार महिलाएं शामिल हैं। हादसे में एक व्यक्ति घायल भी हुआ है। जानकारी के मुताबिक, स्कॉर्पियो में कुल 14 लोग सवार थे। रामगढ़ सदर अस्पताल के सिविल सर्जन अनिल कुमार के अनुसार,ये सभी लोग बिहार के नालंदा जिले के बेन थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जंगहारो गांव के रहने वाले थे।

संपादकीय

कुशल कार्यबल के लिए आईटीआई में बदलाव

भारत के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) देश के व्यावसायिक प्रशिक्षण तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये युवाओं को रोजगार और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक कौशल प्रदान करते हैं। जैसे–जैसे कार्यबल की आवश्यकताएं बदल रही हैं, वैसे–वैसे व्यावसायिक प्रशिक्षण की गुणवत्ता, प्रासंगिकता और उद्योगोन्मुखी स्वरूप को मजबूत करना अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। इसी पृष्ठभूमि में, पीएम–सेतु (प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू अपग्रेडेड आईटीआई) को 4 अक्टूबर 2025 को शुरू किया गया। यह योजना सरकारी आईटीआई को आधुनिक और उद्योग–अनुरूप प्रशिक्षण संस्थानों में परिवर्तित करके व्यावसायिक प्रशिक्षण की समग्र गुणवत्ता और प्रासंगिकता को बढ़ाती है। इस पहल का उद्देश्य उद्योग–नेतृत्व वाले शासन को मजबूत करना, प्रशिक्षण अवसंरचना का उन्नयन करना और कार्यबल की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप मांग–आधारित पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देना है। योजना का कुल परिव्यय ?60,000 करोड़ है, जिसमें केन्द्र सरकार की ओर से 30,000 करोड़ रुपये, राज्यों की ओर से 20,000 करोड़ रुपये और उद्योग की ओर से 10,000 करोड़ रुपये शामिल हैं। यह योजना 4 अक्टूबर 2026 को एक वर्ष पूरा कर रही है। आईटीआई युवाओं को रोजगार और उद्योग के लिए व्यावहारिक कौशल से लैस करने हेतु व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) के तहत सरकारी और निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से इंजीनियरिंग और गैर–इंजीनियरिंग ट्रेडों में प्रशिक्षण दिया जाता है। ट्रेड के आधार पर पाठ्यक्रम की अवधि छह महीने से दो वर्ष तक होती है। प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी), कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) राष्ट्रीय स्तर पर व्यावसायिक प्रशिक्षण के विकास और समन्वय के लिए जिम्मेदार शीर्ष संगठन है। इसके कार्यों में नीतियों, मानदंडों और मानकों का निर्धारण, पाठ्यक्रम विकास, संबद्धता, अनुदेशक प्रशिक्षण और ट्रेड परीक्षण शामिल हैं। आईटीआई राज्य सरकारों और केन्द्र शासित प्रदेशों के प्रशासनों के प्रशासनिक और वित्तीय नियंत्रण के अधीन हैं। देश में सरकारी और निजी आईटीआई सहित आईटीआई की कुल संख्या 2014 में 9,776 से बढ़कर 2026 में 13,888 हो गई है, जो 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। इसके अलावा, देशभर के आईटीआई में नामांकन शैक्षणिक सत्र 2014झ15 में 9.51 लाख से बढ़कर शैक्षणिक सत्र 2025झ26 में 14.70 लाख हो गया है, जो 54 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

सूक्ति

मै एक मजदूर हूँ। जिस दिन कुछ लिख न लूँ, उस दिन मुझे रोटी खाने का कोई हक नहीं।
– प्रेमचंद

मानव हृदय में घृणा, लोभ और द्वेष वह विषैली घास हैं जो प्रेम रूपी पौधे को नष्ट कर देती है।
– सत्यसाईं बाबा

महिला आरक्षण के रास्ते परिसीमन का दांव



डॉ हिदायत अहमद खान

केंद्र सरकार 30 नवंबर से 3 दिसंबर तक प्रस्तावित संसद के विशेष सत्र में परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को आगे बढ़ाने की तैयारी में है। सरकार के प्रस्ताव में महिला आरक्षण को लागू करने, लोकसभा और विधानसभाओं की सीटों का पुनर्समायोजन तथा निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण जैसे प्रावधानों की चर्चा है। राजनीतिक रूप से यह केवल निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं बदलने का मामला नहीं है, बल्कि आने वाले वर्षों में देश के चुनावी प्रतिनिधित्व और सत्ता के समीकरण को प्रभावित करने वाला अहम कदम भी माना जा रहा है। चर्चा है कि नए प्रस्ताव में परिसीमन को नई जनगणना से अलग करने की बात कही गई है। साथ ही सभी राज्यों में लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या में करीब 50 प्रतिशत तक बढ़ोतरी का प्रस्ताव है। इसके तहत लोकसभा की कुल सीटें मौजूदा संख्या से बढ़कर 816 से 850 के बीच होने की संभावना जताई जा रही है। सरकार और एनडीए खासतौर पर भाजपा का तर्क है कि सीटों की संख्या बढ़ने से लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का रास्ता आसान होगा। विपक्ष का कहना है कि परिसीमन से महिला आरक्षण को मत जोड़िए, इसका इससे कोई संबंध है भी नहीं, क्योंकि आरक्षण यदि महिलाओं को देना ही है तो मौजूदा स्थिति में भी दिया जा सकता है, इसके लिए सभी सहमती जताते आ रहे हैं। पर सरकार महिला आरक्षण की आड़ में परिसीमन वाला उल्लू सीधा करने की जुगाड़ में है। यदि ऐसा नहीं होता तो इस विधेयक के लिए सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती संसद में आवश्यक संख्या बल जुटाने की शुरु से है। दरअसल संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है। अप्रैल 2026 में संबंधित विधेयक को 352 मतों की जरूरत थी, लेकिन पक्ष में 298 वोट पड़े और सरकार 54 मतों से पीछे रह गई। इसके बाद जो राजनीतिक समीकरण बदले और सरकार ने जो प्रयास किए उनके बदले में एक बार फिर सरकार विधेयक को दोबारा आगे बढ़ा रही है। कुछ विश्लेषणकर्ता मानते हैं कि इस समय सरकार के पक्ष में करीब 360 वोट पड़ सकते हैं, जबकि कुछ मानते हैं कि पिछली दफा की ही तरह इस बार भी सरकार दो तिहाई मत हासिल करने से चूक जाएगी। इसके लिए प्रमुख विपक्षी दल जी-जान से जुटा हुआ है और सभी से अपने पक्ष में वोट करने की वकालत कर रहा है। हालांकि वास्तविक संख्या मतदान के समय ही स्पष्ट होगी। क्षेत्रीय दलों का रुख इस पूरे गणित में निर्णायक हो सकता है।

असल में परिसीमन को लेकर विपक्ष की सबसे बड़ी चिंता प्रतिनिधित्व के संतुलन को लेकर है। जनसंख्या के आधार पर सीटों के पुनर्वितरण की स्थिति में दक्षिण भारत के उन राज्यों का संसद में तुलनात्मक प्रतिनिधित्व कम हो सकता है, जिन्होंने लंबे समय से जनसंख्या नियंत्रण की नीतियों को अपनाया हुआ है। यही कारण है कि कांग्रेस और कई क्षेत्रीय दल इसे केवल महिला आरक्षण का विषय मानने के बजाय संघीय ढांचे और राज्यों के राजनीतिक वजन से जोड़कर देख रहे हैं। वहीं परिसीमन का सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक पहलू भाजपा के लिए भविष्य में संभावित सीटों की बढ़ोतरी है। यदि लोकसभा की सीटें 50 प्रतिशत तक बढ़ती हैं और नए निर्वाचन क्षेत्रों का गठन होता है, तो राजनीतिक दलों के लिए चुनावी भूगोल भी बदल जाएगा। भाजपा को देश के उन क्षेत्रों में नए राजनीतिक अवसर मिल सकते हैं जहां जनसंख्या वृद्धि के कारण सीटों की संख्या बढ़ने की संभावना है। विशेष रूप से उत्तर और मध्य भारत जैसे बड़े राज्यों में अधिक सीटें बनने की स्थिति में भाजपा के मौजूदा मजबूत संगठन और व्यापक चुनावी आधार को लाभ मिल सकता है। हालांकि यह मान लेना जल्दबाजी होगी कि बढ़ी हुई हर सीट का लाभ स्वत- भाजपा को ही मिलेगा। नई सीमाओं के साथ नए सामाजिक समीकरण, स्थानीय नेतृत्व और क्षेत्रीय दलों की भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी। फिर भी भाजपा के लिए बड़ा फायदा यह हो सकता है कि उसका राष्ट्रीय संगठन अपेक्षाकृत बड़े भूगोल और अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में अपनी चुनावी रणनीति को विस्तार देने की स्थिति में होगा। सत्ता में रहते हुए पार्टी अपने हिसाब से परिसीमन करने और लाभ लेने की रणनीति के तहत आगे बढ़ेगी। इसके अलावा महिला आरक्षण का क्रियान्वयन भाजपा के लिए एक अलग राजनीतिक अवसर पैदा कर सकता है। बड़ी संख्या में महिला उम्मीदवारों को मैदान में उतारने की प्रक्रिया के जरिए पार्टी महिला मतदाताओं के बीच अपने राजनीतिक आधार को और मजबूत करने का प्रयास कर सकती है। सरकार इसे संवैधानिक सुधार और महिला प्रतिनिधित्व का कदम बता रही है, जबकि विपक्ष इसके संभावित चुनावी प्रभावों को लेकर आशंकित है। इस तरह परिसीमन का प्रस्ताव केवल सीटों की संख्या बढ़ाने की कवायद नहीं मानी जा सकती है। इसके केंद्र में महिला आरक्षण, राज्यों का प्रतिनिधित्व, संघीय संतुलन और आने वाले चुनावों का राजनीतिक भूगोल है। यदि सरकार इस बार आवश्यक दो-तिहाई बहुमत जुटाने में सफल रहती है, तो इसका प्रभाव 2029 के लोकसभा चुनाव से आगे कई चुनावों तक दिखाई दे सकता है। इसके विपरीत यदि बिल गिर जाता है तब भी सरकार इसका लाभ लेने से नहीं चूकेगी। एक तरह से केंद्र सरकार ने एक बार फिर उस चाल को चल दिया है, जिसमें उसे दोनों ही स्थिति में लाभ ही लाभ नजर आ रहा है। बहरहाल ध्यान रखना होगा कि लोकतंत्र में सरकारें स्थाई नहीं होतीं। आगामी चुनाव में मुल्क के असली मालिक मतदाता यदि सरकार बदलने का फरमान जारी कर देते हैं तो यह मौजूदा सत्ताधारी पार्टियों के लिए खुद के पैर पर कुल्हाड़ी मारने वाली चाल साबित होगी।

रोहंगिया जनसंहार : अंतर्राष्ट्रीय अदालत का ऐतिहासिक फ़ैसला



तनवीर जाफ़री



रोहिंग्या मुख्य रूप से मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय के उन लोगों को कहा जाता है जोकि विगत सैकड़ों वर्षों से म्यांमार, जिसे पूर्व में बर्मा कहा जाता था,के पश्चिमी तटीय प्रांत रखाइन में रहते आ रहे हैं। परन्तु बौद्ध बाहुल्य म्यांमार सरकार इन्हें अपना मूल नागरिक नहीं मानती तथा इन्हें बांग्लादेश से आए अवैध प्रवासी या बंगाली के रूप में चिन्हित करती है। वैसे तो ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन और द्वितीय विश्व युद्ध के समय से ही रखाइन के स्थानीय बौद्धों और रोहिंग्या मुसलमानों के बीच अविश्वास रहा है। 1962 में सैन्य शासन आने के बाद से सरकार और कट्टरपंथी समूहों द्वारा इनके विरुद्ध भेदभाव और दमन और भी बढ़ता गया। 1982 में म्यांमार की सैन्य सरकार ने एक नया नागरिकता क़ानून पारित किया, जिसमें देश के 135 आधिकारिक जातीय समूहों की सूची से रोहिंग्या समुदाय को बाहर कर दिया गया। इससे लाखों रोहिंग्या रातों रात राज्यविहीन हो गए और उनके शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़गार तथा आने-जाने के अधिकार छीन लिए गए। बौद्ध समुदाय द्वारा इसी रोहिंग्या समुदाय के ख़िलाफ़ पहले भी कई दशकों से रुक-रुक कर हिंसा होती रही है। ख़ासकर 1978, 1991-92 और 2012 में भी इनके विरुद्ध ज़बरदस्त हिंसा हुई थी । परन्तु हिंसा का सबसे भयावह दौर 2016 और 2017 में उस समय आया जबकि अक्टूबर 2016 में अराकान रोहिंग्या साल्वेशन आर्मी नामक एक रोहिंग्या विद्रोही समूह ने सीमा चौकियों पर हमला किया, जिसके जवाब में म्यांमार की सेना ने रखाइन में रोहिंग्या समुदाय के विरुद्ध एक बड़ा सैन्य अभियान शुरू कर किया। अराकान रोहिंग्या साल्वेशन आर्मी द्वारा 25 अगस्त 2017 को रखाइन की पुलिस चौकियों पर किये गये एक और हमले के बाद, म्यांमार की सेना और स्थानीय मिलिशिया ने उत्तरी रखाइन में क्लियरेंस ऑपरेशन शुरू किया। इस दौरान रोहिंग्या समुदाय के सैकड़ों गांवों को जला दिया गया, उनकी सामूहिक हत्याएं की गयीं और बड़े पैमाने पर यौन हिंसा की गई, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने जातीय सफ़ाये का सटीक उदाहरण बताया और बाद में अंतर्राष्ट्रीय अदालत, आईसीजे ने भी इसे नरसंहार ही क़रार दिया। म्यांमार के रखाइन राज्य में लगभग 6 लाख रोहिंग्या अभी भी बचे हुए हैं, जिनमें से क़रीब 1.4 लाख लोग बेहद ख़राब हालात वाले आंतरिक विस्थापन शिविरों में रहने को मजबूर हैं।

संयुक्त राष्ट्र और डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय जांचों के अनुसार, अगस्त 2017 के बाद के शुरुआती महीनों में ही कम से कम 9,000 से लेकर 10,000 से भी अधिक रोहिंग्या मारे गए, जिनमें बड़ी संख्या में छोटे बच्चे भी शामिल थे। कुछ स्वतंत्र मानवाधिकार संगठनों का अनुमान है कि वास्तविक संख्या इससे भी कहीं अधिक हो सकती है। उसके बाद अगस्त 2017 के बाद कुछ ही सप्ताह में 7 लाख से अधिक रोहिंग्या जान बचाकर म्यांमार से भागने को मजबूर हुए। इससे पहले के वर्षों में भागे लोगों को मिलाकर कुल 10 लाख से ज़्यादा रोहिंग्या विस्थापित हो चुके हैं। सबसे अधिक लगभग 10 लाख से अधिक रोहिंग्या शरणार्थी बांग्लादेश के सीमावर्ती ज़िले कॉक्स बाज़ार के कुटुपालोंग शिविर में रहते हैं, जो दुनिया का सबसे बड़ा शरणार्थी शिविर माना जाता है। जबकि हज़ारों लोगों को बंगाल की खाड़ी के भासन चार द्वीप पर भी बसाया गया है। इसी तरह मलेशिया दक्षिण-पूर्व एशिया में बांग्लादेश के बाद यह सबसे बड़ा रोहंगिया शरणार्थी केंद्र है, जहाँ 1 लाख से अधिक रोहिंग्या शरणार्थी संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के पास पंजीकृत रूप में रह रहे हैं। भारत में भी अनुमानित 40,000 के आसपास रोहिंग्या शरणार्थी जम्मू, हैदराबाद, दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान जैसे विभिन्न स्थानों में रह रहे हैं। इनमें से लगभग आधे संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के पास पंजीकृत हैं। भारत सरकार इन्हें अवैध प्रवासी मानती है, इसलिए इन पर हर समय पुलिस कार्रवाई, गिरफ़्तारी और वापस भेजे जाने का डर बना रहता है। रिफ़्यूजी इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार सैकड़ों रोहिंग्या,जिनमें महिलाएँ और बच्चे भी शामिल हैं,जम्मू , दिल्ली और असम के डिटेंशन सेंटरों या होल्डिंग कैंपों में बंद हैं। हज़ारों रोहिंग्या समुद्र के रास्ते नावों के माध्यम से थाईलैंड,इंडोनेशिया और इंडोनेशिया के आचे प्रांत में भी पहुँचे हैं। इसके अलावा सऊदी अरब, पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात में भी दशकों पहले पलायन कर चुके रोहिंग्या समुदाय के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं।

गत 19 नवंबर को रोहंगिया नरसंहार को लेकर पश्चिमी अफ़्रीक़ी देश गाम्बिया द्वारा अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में दायर एक मामले में अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय ने 9-6 के बहुमत से इतिहास में पहली बार ऐसा फ़ैसला सुनाया गया जिसमें किसी पूरे देश को नरसंहार के लिए सीधे तौर पर ज़िम्मेदार मानते हुये दोषी ठहराया गया है। अदालत ने पाया कि 2017 में रखाइन राज्य में म्यांमार के सुरक्षा बलों द्वारा किए गए सैन्य अभियानों का उद्देश्य रोहिंग्या आबादी के एक बड़े हिस्से को ख़त्म करना था। इसमें बड़े पैमाने पर लगभग 10,000 लोगों की हत्याएं ,यौन हिंसा, और बच्चों की हत्या जैसे जघन्य कृत्य शामिल थे। अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय ने यह भी माना कि म्यांमार, 1948 के नरसंहार कन्वेंशन के तहत इस अपराध को रोकने, इसके लिए क़ानून बनाने और दोषियों को सज़ा देने में विफल रहा है। अदालत ने म्यांमार को आदेश दिया है कि वह विस्थापित रोहिंग्या लोगों की सुरक्षित, स्वैच्छिक और सम्मानजनक घर वापसी सुनिश्चित करे, उनकी संपत्ति लौटाए और पीड़ितों को उचित मुआवज़ा दे। अदालत द्वारा म्यांमार को संदिग्ध अपराधियों के ख़िलाफ़ तत्काल जांच कर मुक़दमा चलाने और अगले 2 वर्षों के भीतर उठाए गए क़दमों की रिपोर्ट अदालत में पेश करने का निर्देश भी दिया गया है।

ह्यूमन राइट्स वाच और क़ानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, यह फ़ैसला भविष्य के अन्य मामलों के लिए एक बड़ी मिसाल साबित होगा । विशेष रूप से, इसका सीधा असर आईसीजे में लंबित दक्षिण अफ़्रीक़ा बनाम इज़रायल/ग़ज़ा विवाद जैसे अन्य नरसंहार मामलों की सुनवाई और क़ानूनी व्याख्या पर भी पड़ सकता है। हालांकि अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के पास अपने फ़ैसले को लागू कराने के लिए अपनी कोई पुलिस या सेना नहीं है, लेकिन यह फ़ैसला क़ानूनी रूप से बाध्यकारी है। और यदि म्यांमार इस फ़ैसले का पालन नहीं करता है, तो मामला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में जा सकता है, जिससे म्यांमार की सैन्य सरकार पर वैश्विक प्रतिबंध और कूटनीतिक अलगाव बढ़ सकता है। इस ऐतिहासिक फ़ैसले के बाद अब बांग्लादेश जहाँ 7 लाख से अधिक रोहिंग्या शरणार्थी हैं, और भारत जैसे पड़ोसी देशों को अब म्यांमार पर शरणार्थियों की सुरक्षित वापसी के लिए अंतर्राष्ट्रीय दबाव बनाने का एक मज़बूत क़ानूनी आधार भी मिल गया है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

परिसीमन विल की सियासी बिसात



विनोद सिंह 'तकियावाला'

लोकतंत्र की मजबूती केवल संसद में सदस्यों की संख्या बढ़ाने से नहीं, बल्कि सभी राज्यों को समान सम्मान, उचित प्रतिनिधित्व और संवैधानिक विश्वास देने से सुनिश्चित होती है। इसलिए परिसीमन का समाधान ऐसा होना चाहिए जिसमें महिला सशक्तीकरण के साथ राष्ट्रीय एकता और संघीय संतुलन भी अक्षुण्ण रहे। यही इस ऐतिहासिक संवैधानिक बदलाव की असली कसौटी होगी।

महिला आरक्षण से लेकर उत्तर-दक्षिण के राजनीतिक संतुलन तक कई सवाल;दो - तिहाई बहुमत जुटाना सरकार की सबसे बड़ी चुनौती...

भारतीय लोकतंत्र के संसदीय इतिहास में परिसीमन एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में आ गया है।संसद और विधान सभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की संवैधानिक व्यवस्था को लागू करने की दिशा में केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने संविधान के 132वें संशोधन विधेयक, 2026 को मंजूरी दी। इसके साथ ही परिसीमन से संबंधित नए प्रस्तावों ने देश की राजनीतिक बहस को एक बार फिर तेज कर दिया है। सवाल केवल लोकसभा की सीटें बढ़ाने का नहीं है, बल्कि यह भी है कि जनसंख्या, राज्यों के प्रतिनिधित्व, संघीय संतुलन और लोकतांत्रिक भागीदारी के बीच सामंजस्य कैसे स्थापित होगा। सरकार के नए प्रस्ताव के अनुसार लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 550 से बढ़ाकर 850 करने का प्रावधान है। इसमें राज्यों के लिए अधिकतम 815 और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए 35 सीटें प्रस्तावित हैं। मौजूदा लोकसभा में 543 निर्वाचित सदस्य हैं। नए प्रस्ताव के तहत प्रत्येक राज्य और केंद्रशासित प्रदेश में लोकसभा की मौजूदा सीटों की संख्या में 50 प्रतिशत वृद्धि की जाएगी। राज्य विधानसभाओं की अधिकतम सदस्य संख्या भी 500 से बढ़ाकर 650 करने का प्रस्ताव है। सरकार का उद्देश्य महिला आरक्षण को प्रभावी बनाने के साथ-साथ देश की बढ़ती आबादी के अनुरूप जनप्रतिनिधियों की संख्या में विस्तार करना है। उत्तर और दक्षिण भारत के बीच प्रतिनिधित्व का सवाल परिसीमन की बहस का सबसे संवेदनशील पहलू उत्तर और दक्षिण भारत के बीच राजनीतिक प्रतिनिधित्व का संतुलन है। उत्तर प्रदेश में वर्तमान में लोकसभा की 80 सीटें हैं, जबकि बिहार में 40 सीटें हैं। दूसरी ओर तमिलनाडु में 39, केरल में 20 और कर्नाटक में 28 लोकसभा सीटें हैं। दक्षिण भारत के राज्यों की प्रमुख चिंता यह रही है कि जनसंख्या वृद्धि को ही परिसीमन का आधार बनाने से अधिक आबादी वाले राज्यों की राजनीतिक हिस्सेदारी बढ़ सकती है और जनसंख्या नियंत्रण में सफल राज्यों का सापेक्ष प्रतिनिधित्व प्रभावित हो सकता है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने राज्य की लोकसभा में मौजूदा 7.18 प्रतिशत हिस्सेदारी को सुरक्षित रखने की मांग उठाई है। दक्षिण भारतीय राज्यों का तर्क है कि परिवार नियोजन और जनसंख्या स्थिरीकरण की नीतियों का



पालन करने की उन्हें राजनीतिक प्रतिनिधित्व में कीमत नहीं चुकानी चाहिए। दूसरी ओर उत्तर भारत के राज्यों की बढ़ती आबादी के अनुरूप प्रतिनिधित्व बढ़ाना भी लोकतांत्रिक आवश्यकता है। सरकार ने इसी आशंका को दूर करने के लिए सभी राज्यों में मौजूदा सीटों के अनुपात में 50 प्रतिशत वृद्धि का फार्मूला प्रस्तावित किया है। इससे राज्यों के बीच लोकसभा सीटों का मौजूदा सापेक्ष अनुपात सुरक्षित रखने का प्रयास किया गया है। 1971 की जनगणना, 2011 के आंकड़े और 2051 तक का प्रावधान नए प्रस्ताव में जनसंख्या और निर्वाचन क्षेत्रों के निर्धारण को लेकर महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। राज्यों के बीच लोकसभा सीटों के मौजूदा अनुपात को 2051 के बाद होने वाली पहली जनगणना के प्रासंगिक आंकड़े प्रकाशित होने तक सुरक्षित रखने का प्रावधान है। वहीं निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण के लिए कानून लागू होने की तारीख तक उपलब्ध नवीनतम प्रकाशित जनगणना के आंकड़ों का उपयोग किया जाएगा। वर्तमान परिस्थितियों में इसका अर्थ 2011 की जनगणना है। इस प्रकार सीटों के अंतरराज्यीय अनुपात को सुरक्षित रखने और निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं को नए सिरे से निर्धारित करने के लिए अलग-अलग संवैधानिक व्यवस्थाएं प्रस्तावित हैं। अप्रैल की संसदीय विफलता से सरकार ने क्या सीखा? इस पूरे घटनाक्रम को समझने के लिए अप्रैल 2026 की संसदीय कार्यवाही पर नजर डालना जरूरी है। उस समय पेश किया गया संविधान का 131वां संशोधन विधेयक लोकसभा में आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर सका था। मतदान में 298 सांसदों ने विधेयक के पक्ष में और 230 सांसदों ने विरोध में मत दिया था। इस प्रकार आवश्यक संवैधानिक समर्थन नहीं मिल सका। पुराने प्रस्ताव में सभी राज्यों की सीटों में समान 50 प्रतिशत वृद्धि का प्रावधान नहीं था। नए विधेयक में इस व्यवस्था को शामिल कर सरकार ने क्षेत्रीय दलों और दक्षिण भारतीय राज्यों की आशंकाओं को दूर करने का प्रयास किया है। संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए संसद के दोनों सदनों में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के कम से कम दो-तिहाई मतों का समर्थन आवश्यक है। इसके अतिरिक्त संविधान के संघीय प्रावधानों में संशोधन के कारण कम से कम आधे राज्यों की विधानसभाओं से अनुमोदन की संवैधानिक आवश्यकता भी महत्वपूर्ण होगी। इसलिए सरकार के सामने केवल लोकसभा और राज्यसभा में संख्याबल जुटाने की चुनौती नहीं है, बल्कि राज्यों की सहमति हासिल करना भी जरूरी होगा। महिला आरक्षण और 2029 का चुनाव इस प्रस्ताव का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने से जुड़ा है। वर्ष 2023 में पारित संविधान के 106वें संशोधन के माध्यम से महिला आरक्षण का प्रावधान किया गया था। हालाँकि इसके क्रियान्वयन को जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया से जोड़ा गया था। नए प्रस्ताव के जरिए सरकार 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले महिला आरक्षण लागू करने का रास्ता तैयार करना चाहती है। प्रस्तावित व्यवस्था में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं को भी आरक्षण का लाभ मिलेगा। आरक्षण की अवधि 15 वर्ष निर्धारित करने तथा आगे इसे बढ़ाने का अधिकार संसद को देने का प्रावधान भी प्रस्ताव में शामिल है। 30 नवंबर से संसद में निर्णायक बहस लोकसभा का विशेष सत्र 30 नवंबर से शुरू होगा, जबकि राज्यसभा की बैठक 2 दिसंबर से प्रस्तावित है। सरकार संविधान का 132वां संशोधन विधेयक, परिसीमन से संबंधित दूसरा विधेयक और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए आवश्यक विधायी प्रस्ताव संसद में लाने की तैयारी में है। इस दौरान परिसीमन, महिला आरक्षण और राज्यों के प्रतिनिधित्व पर व्यापक बहस होने की संभावना है। पुराने विधेयक की विफलता को देखते हुए इस बार भी राजनीतिक दलों के रुख और संसद में संख्याबल पर सबकी नजर रहेगी। वास्तव में परिसीमन केवल निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं बदलने की प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं है। यह भारतीय संघवाद, राज्यों के अधिकार, जनसंख्या नियंत्रण की नीतियों और लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक के प्रतिनिधित्व से जुड़ा संवेदनशील विषय है। एक ओर महिलाओं को राजनीतिक निर्णय प्रक्रिया में समान अवसर देना समय की आवश्यकता है, तो दूसरी ओर किसी राज्य को उसकी जनसंख्या नियंत्रण संबंधी उपलब्धियों के कारण राजनीतिक रूप से कमजोर महसूस नहीं होने देना भी उतना ही जरूरी है। आने वाले दिनों में संसद की बहस यह स्पष्ट करेगी कि सरकार का नया फार्मूला राजनीतिक सहमति बनाने में कितना सफल होता है। लोकतंत्र की मजबूती केवल संसद में सदस्यों की संख्या बढ़ाने से नहीं, बल्कि सभी राज्यों को समान सम्मान, उचित प्रतिनिधित्व और संवैधानिक विश्वास देने से सुनिश्चित होती है। इसलिए परिसीमन का समाधान ऐसा होना चाहिए जिसमें महिला सशक्तीकरण के साथ राष्ट्रीय एकता और संघीय संतुलन भी अक्षुण्ण रहे। यही इस ऐतिहासिक संवैधानिक बदलाव की असली कसौटी होगी।

सात महिलाओं की चिताओं को मुखाग्नि देते ही चंडीघाट में गूंज उठी सिसकियां

शनिवार को रिखणीखाल के कलवाड़ी क्षेत्र में हुई थी वाहन दुर्घटना


मृतकों को मुखाग्नि देते स्वजन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः रिखणीखाल के कलवाड़ी में हुए दर्दनाक वाहन हादसे ने कई परिवारों को कभी न भरने वाला जख्म दे दिया। हादसे में जान गंवाने वाली एक ही परिवार की सात महिलाओं का रविवार को हरिद्वार के चंडीघाट में गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। एक साथ सात चिताएं जलीं तो घाट पर मौजूद स्वजन और परिचित अपने आंसू नहीं रोक पाए। वहीं, वाहन चालक अनिल देवराड़ा का अंतिम संस्कार कोटद्वार के मुक्तिधाम में किया गया। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। रिखणीखाल-धारकोट मोटर मार्ग पर कलवाड़ी में हुई दुर्घटना में ग्राम भंगल्वाण के तोक कांडईधार निवासी एक ही परिवार की सात महिलाओं की मौत हो गई थी। शनिवार को सभी महिलाओं के शवों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रिखणीखाल में पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद रविवार को स्वजन शवों को लेकर हरिद्वार के चंडीघाट पहुंचे, जहां नम आंखों के बीच उनका अंतिम संस्कार किया गया। वहीं, वाहन चालक अनिल देवराड़ा के शव का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रिखणीखाल में पोस्टमार्टम नहीं हो पाया था। ऐसे में रविवार को रिखणीखाल थाना पुलिस शव को लेकर कोटद्वार पहुंची। यहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद स्वजनों ने मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया।

संगठन की असली ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता

उत्तरकाशी। भाजपा की विस्तारित जिला कार्यसमिति की बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों को लेकर मंथन किया गया। बैठक में जिले की तीनों विधानसभा सीटों पर भारी बहुमत से जीत हासिल कर प्रदेश में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाने का संकल्प लिया गया। कहा गया कि संगठन की असली ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं।

पार्टी कार्यालय में आयोजित बैठक में मुख्य वक्ता शहरी विकास मंत्री राम सिंह कैड़ा ने कार्यकर्ताओं से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाने की अपील की। जिला प्रभारी नवीन ठाकुर ने कहा कि समान नागरिक संहिता का त्रिय्यान्वयन समानता, सामाजिक न्याय और महिला अधिकारों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सह प्रभारी विनोद रतूड़ी ने कहा कि भाजपा विकसित भारत 2047 के संकल्प को लेकर प्रतिबद्धता से आगे बढ़ रही है। जिलाध्यक्ष नागेंद्र चौहान ने कहा कि संगठन की असली ताकत समर्पित कार्यकर्ता और मजबूत बूथ व्यवस्था है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

क्विज प्रतियोगिता में हेरिटेज एकेडमी ने मारी बाजी


कोटद्वार के हेरिटेज एकेडमी में आयोजित क्विज प्रतियोगिता में अव्वल स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करते अतिथि।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः सामान्य ज्ञान और बौद्धिक क्षमता की परीक्षा में हेरिटेज एकेडमी के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। ब्रिगेडियर हेड सेंटेनरी अंतरविद्यालयी क्विज प्रतियोगिता में मेजबान विद्यालय की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में 23 विद्यालयों की 37 टीमों ने प्रतिभाग कर अपनी ज्ञान क्षमता और तार्किक कौशल का प्रदर्शन किया। हेरिटेज एकेडमी में आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं क्विज मास्टर वरिष्ठ पत्रकार श्रीनजॉय चौधरी ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर कर्नल कुँवर अजय सिंह, प्रधानाचार्य डा. रूपमाला सिंह और उप प्रधानाचार्य अनीता सिंह ने अतिथि का स्वागत किया। प्रतियोगिता के प्रारंभिक चरण में 37 टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। इसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाली 10 टीमों ने फाइनल राउंड में जगह बनाई। फाइनल मुकाबले में प्रतिभागियों से इतिहास, राजनीति, अंतरराष्ट्रीय मामले, भूगोल, संस्कृति, रक्षा, कूटनीति, विज्ञान, तकनीक, खेल, सिनेमा, साहित्य और समसामयिक घटनाओं से जुड़े सवाल पूछे गए। विद्यार्थियों ने अपनी तार्किक क्षमता, स्मरण शक्ति और त्वरित निर्णय लेने के कौशल का परिचय दिया। प्रतियोगिता में हेरिटेज एकेडमी की टीम ए ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सेंट जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल की टीम ए दूसरे और शेमफोर्ड फ्यूचरिस्टिक स्कूल की टीम बी तीसरे स्थान पर रही। विजेता प्रतिभागियों को अतिथियों ने सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

हाइड्रोलिक लिफ्ट से लेकर रोबोटिक स्कूल बस तक के मॉडल किए प्रस्तुत


कोटद्वार में आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि कोटद्वारः बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता और वैज्ञानिक सोच को मॉडलों के जरिये साकार किया। किसी ने हाइड्रोलिक लिफ्ट का मॉडल तैयार किया तो किसी ने आपदा प्रबंधन और बिजली उत्पादन की तकनीक को प्रदर्शित किया। इतना ही नहीं, विद्यार्थियों ने रोबोट के माध्यम से स्कूल बस की सुरक्षा का मॉडल प्रस्तुत कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। मौका था जय भारती पब्लिक स्कूल कोटद्वार में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी का। इस दौरान विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से भी दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया।

विद्यालय परिसर में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला सहकारी बैंक के प्रबंधक दीपचंद्र पांडेय और मनोचिकित्सक पदमेंद्र सिंह गुसाईं ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि विज्ञान प्रदर्शनी विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने का बेहतर माध्यम है। ऐसे आयोजनों से बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ ही नई चीजें सीखने और समझने का अवसर मिलता है। विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक शिक्षा और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना जरूरी है। प्रदर्शनी में छात्र-छात्राओं ने हाइड्रोलिक लिफ्ट, आपदा प्रबंधन और इलेक्ट्रिसिटी जनरेटर सहित विभिन्न विषयों पर आधारित मॉडल प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने अपने मॉडलों की कार्यप्रणाली समझाते हुए उनके व्यावहारिक उपयोग की जानकारी भी दी। रोबोट के माध्यम से स्कूल बस सेफ्टी का मॉडल विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। वहीं, सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों की प्रस्तुतियों को भी खूब सराहना मिली। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी और अभिभावक मौजूद रहे।

हेमा नेगी करासी के गीतों पर झूमे श्रोता


कोटद्वार में लोकगायिका हेमा नेगी करासी के साथ लोकगीतों पर झूमते श्रोता

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः 'नारी अबला नहीं, अद्भुत है' कार्यक्रम में लोकगीतों और जागरों की धूम रही। लोकगायिका हेमा नेगी करासी सहित स्थानीय महिला कलाकारों की प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष सहित मौजूद महिलाएं लोकगीतों की धुन पर झूमती नजर आईं। कार्यक्रम में महिलाओं को सरकार की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गई। देवी रोड स्थित एक बारातघर में आयोजित कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने महिलाओं के सामर्थ्य और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि महिलाएं परिवार की आधारशिला होने के साथ ही समाज और राष्ट्र निर्माण में भी अहम भूमिका निभा रही हैं। उचित अवसर और मंच मिलने पर वे अपनी प्रतिभा से नए आयाम स्थापित कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि 'नारी अबला नहीं, अद्भुत है' कार्यक्रम के माध्यम से महिला सशक्तीकरण के साथ उत्तराखंड की लोक संस्कृति को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया जा रहा है। साथ ही स्थानीय महिला कलाकारों को मंच देकर पारंपरिक लोकगायन को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया है। कार्यक्रम में लोकगायिका शकुंतला बुड़ाकोटी ने 'मैना घस्यारी', मीरा बिष्ट ने 'हौंसिया उल्यार मा', रंजना गुसाईं ने 'गीत लगाणा तांदि बल, गीत लगाणा तांदि', संगीता गढ़वाली ने 'भैर कि निठुर' और शिवांगी घिड़ियाल ने 'टिहरी की रानी' गीत एवं नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण लोकगायिका हेमा नेगी करासी की जागर प्रस्तुति रही। उन्होंने 'नर्सिंग जागर', 'ऊंचा डांडा', 'गिर गेदुवा' और 'बामणि–बामणि' गीतों की प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री धामी आज भाबर में करेंगे रोड शो, मातृ शक्ति सम्मेलन को भी करेंगे संबोधित



जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सोमवार को कोटद्वार के भाबर क्षेत्र में रोड शो कर मातृ शक्ति सम्मेलन के जरिए महिलाओं से संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। वहीं, कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी भी जुटे हुए हैं।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री सोमवार सुबह 10:55 बजे देहरादून स्थित जीटीसी हेलीपेड से बीईएल हेलीपेड के लिए रवाना होंगे। करीब 12 बजे बीईएल हेलीपेड के समीप से मोटाढांक तक रोड शो करेंगे। इसके बाद राजकीय इंटर कालेज मोटाढांक में आयोजित मातृ शक्ति सम्मेलन को संबोधित करेंगे। सम्मेलन में वह महिलाओं को केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देंगे। मातृ शक्ति सम्मेलन के बाद मुख्यमंत्री राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार पहुंचेंगे। यहां वह कलवाड़ी-रिखणीखाल वाहन दुर्घटना में घायल लोगों का हालचाल जानेंगे और उनके उपचार की जानकारी लेंगे। इसके बाद दोपहर करीब दो बजे ग्रास्टनगंज स्थित हेलीपेड से देहरादून के लिए रवाना होंगे।

60 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल पुलिस ने बरामद की चोरी की स्कूटी



जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः बालासौड़ क्षेत्र से चोरी हुई स्कूटी को पुलिस ने बरामद कर लिया है। पुलिस ने मामले में सिताबपुर निवासी 24 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। स्कूटी की तलाश में पुलिस टीम ने करीब 60 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसके बाद आरोपित तक पहुंचने में सफलता मिली। बीती 24 नवंबर को बालासौड़ क्षेत्र से स्कूटी चोरी हो गई थी। वाहन स्वामी की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के मार्गों पर लगे करीब 60 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की। उन्होंने बताया कि शनिवार शाम पुलिस टीम कौड़िया क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान एक युवक तेज गति से स्कूटी चलाते हुए आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की तो पता चला कि स्कूटी चोरी की है। आरोपित की पहचान सिताबपुर निवासी 24 वर्षीय राहुल कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने स्कूटी बरामद कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया।

दो दिवसीय अंतर महाविद्यालयी योग प्रतियोगिता का समापन



जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार में श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय अंतर महाविद्यालयी महिला एवं पुरुष योग प्रतियोगिता का समापन गरिमामय वातावरण में हुआ।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डी.एस. नेगी एवं विशिष्ट अतिथि श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के क्रीड़ा सचिव डॉ. पुष्कर गौड़ ने दीप प्रज्ज्वलित कर एवं माँ शारदा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय से संबद्ध 13 महाविद्यालयों की कुल 18 महिला एवं पुरुष टीमों ने प्रतिभाग किया। इसमें राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर योग का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके प्रतिभागियों ने अपनी योग प्रतिभा का प्रदर्शन किया तथा शारीरिक संतुलन, लचीलापन, एकाग्रता एवं विभिन्न योगासनों में दक्षता दिखाई।

निर्णायक मंडल में डॉ. अनुपम कोठारी, डॉ. राकेश कंडवाल एवं डॉ. भावना नेगी ने निर्धारित मानकों के आधार पर निर्णय देकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रतियोगिता के परिणाम में महिला वर्ग में विजेता स्वामी पूर्णानंद डिग्री कॉलेज एंड टेक्नोलॉजी, ऋषिकेश,उपविजेता – पंडित ललित मोहन परिसर, ऋषिकेश। पुरुष वर्ग में विजेता पंडित ललित मोहन परिसर, ऋषिकेश, उपविजेता स्वामी पूर्णानंद डिग्री कॉलेज एंड टेक्नोलॉजी, ऋषिकेश। सर्वश्रेष्ठ योग प्रदर्शन में महिला वर्ग – संतोषी, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार, पुरुष वर्ग में शुभम सिंह, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जयहरीखाल रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्राचार्य प्रो. डी.एस. नेगी ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति एवं परंपरा की अमूल्य धरोहर है। योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि मानसिक शांति, अनुशासन एवं सकारात्मक जीवनशैली विकसित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विशिष्ट अतिथि डॉ. पुष्कर गौड़ ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ–साथ उच्च स्तर पर अपनी पहचान बनाने का अवसर प्रदान करती हैं। कार्यक्रम में क्रीड़ा समिति के संयोजक व महाविद्यालय कोच डॉ. हीरा सिंह डुंगरियाल सहित क्रीड़ा समिति के सदस्य डॉ. संदीप कुमार, डॉ. सुमन सिंह राणा, डॉ. मीनाक्षी वर्मा, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. ऐश्वर्या राणा, डॉ. विजयलक्ष्मी, डॉ. संदीप किमोठी, डॉ. दया किशन जोशी, श्री शेखर मैठाणी तथा मुकेश जदली सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में विजेता टीमों एवं प्रतिभागियों को ट्रॉफी व प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया गया।

100 मीटर दौड़ में आयुष ने मारी बाजी

उत्तरकाशी। पुलिस लाइन मैदान ज्ञानसू में ऋषिराम शिक्षण संस्थान जोशियाड़ा की चार दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता उत्साह और खेल भावना के साथ संपन्न हो गई। प्रतियोगिता में छात्र–छात्राओं ने एथलेटिक्स, बैडमिंटन, शतरंज और खो–खो सहित विभिन्न खेल स्पर्धाओं में प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ सीओ जनक सिंह पंवार ने किया। 100 मीटर दौड़ में आयुष रायल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि खो–खो प्रतियोगिता में आजाद हाउस विजेता रहा। शतरंज में अनंत नौटियाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया। समापन अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक अरविंद जगूड़ी ने छात्र–छात्राओं को पढ़ाई के साथ खेल गतिविधियों में भी बढ़–चढ़कर प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया।

जेई, एसआई और ईओ का वेतन रोका

चिन्यालीसौड़। नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड़ में विभागीय कार्यों में लापरवाही और अध्यक्ष के निर्देशों की अनदेखी करना अधिकारियों को भारी पड़ गया। नगरपालिका अध्यक्ष मनोज कोहली ने जेई, सफाई निरीक्षक और अधिशासी अधिकारी का वेतन रोकने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों पर विकास कार्यों को लेकर टालमटोल करने का आरोप लगाया है। नगरपालिका अध्यक्ष मनोज कोहली ने बताया कि नगर क्षेत्र में निर्माण कार्यों में तेजी लाने, लंबित कार्यों को समय पर पूरा करने और ठेकेदारों के भुगतान में देरी न करने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद संबंधित अधिकारी अपेक्षित कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बड़ेथी–बनचौरा मार्ग पर जल निकासी की समस्या के समाधान और अतिक्रमण हटाने के लिए लोक निर्माण विभाग को कई बार पत्र भेजे गए लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। वहीं, ऑलवेदर रोड बाईपास के डेंजर जोन में सड़क सुधारीकरण के लिए बीआरओ को भी लिखित रूप से अवगत कराया गया था। इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। कहा कि संबंधित कर्मचारियों को इन मामलों में रिपोर्ट दर्ज कराने के लिखित निर्देश भी दिए गए, लेकिन कर्मचारियों ने इसमें असमर्थता जताई।

पीटीए कार्यकारिणी गठित, जगमोहन डांगी बने अध्यक्ष


आयोजित बैठक में भाग लेते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी। पौड़ी। विकासखंड कल्जीखाल के राजकीय इंटर कॉलेज (जीआइसी) पुरियाडांग में शिक्षक-अभिभावक संघ (पीटीए) की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से सामाजिक कार्यकर्ता जगमोहन डांगी को पीटीए अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। उनके नाम का प्रस्ताव अभिभावक सुलोचना देवी ने रखा, जिसका वर्तमान एसएमसी अध्यक्ष जसवीर रावत ने समर्थन किया।

विद्यालय परिसर में आयोजित बैठक में अभिभावकों और शिक्षकों ने विद्यालय के शैक्षिक वातावरण को बेहतर बनाने और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर चर्चा की। नवनियुक्त अध्यक्ष जगमोहन डांगी पूर्व में भी तीन बार विद्यालय के पीटीए अध्यक्ष रह चुके हैं। इसके अलावा वह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय डांगी में एक दशक तक पीटीए अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। वहीं, राजकीय कन्या विद्यालय घंडियाल में भी एक वर्ष तक इस पद पर रहे हैं। डांगी ने कहा कि सामाजिक कार्यकर्ता और ग्रामीण पत्रकारिता के क्षेत्र में तीन दशक का अनुभव विद्यालय के विकास, शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित रहेगा। उन्होंने कहा कि विद्यालय की प्रगति शिक्षकों, अभिभावकों और समाज के सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। इसके लिए सभी अभिभावकों से सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की। नई कार्यकारिणी में मनोज कुमार घुनियाल को पदेन उपाध्यक्ष, गिरीश रावत को कोषाध्यक्ष, क्रांति कुमार आर्य को सचिव तथा पूर्व प्रमुख सुरेंद्र सिंह नेगी को संरक्षक चुना गया।

वहीं चंद्रवीर सिंह रावत, पूर्णिमा रावत, मुकेश रावत, सूरजभान, सुलोचना देवी, कविता देवी, रश्मि नैथानी एवं कनिका बिष्ट को सक्रिय सदस्य नियुक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन बालम सिंह राणा ने किया।

गुरुवाणी के कीर्तन से निहाल हुई संगत, सुखमनी साहिब के पाठ किए

श्री गुरुद्वारा माता बेसरी बाई में प्रकाश पर्व पर धार्मिक कार्यक्रम आयोजित


श्री गुरुद्वारा माता बेसरी बाई में गुरुवाणी का पाठ करते श्रद्धालु

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः श्री गुरुद्वारा माता बेसरी बाई, रिफ्यूजी कॉलोनी में श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान गुरुद्वारा साहिब में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। गुरुवाणी के मधुर कीर्तन और सुखमनी साहिब के पाठ से पूरा गुरुद्वारा परिसर भक्तिमय हो उठा।

कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह नौ बजे श्री सुखमनी साहिब के पाठ के साथ हुआ, जो दस बजे तक चले। इसके उपरांत स्त्री सत्संग की ओर से कीर्तन दीवान सजाया गया। सुबह 11 से दोपहर 12 बजे तक नजीबाबाद से पहुंचे माता साहिब कौर कीर्तनी जत्थे की बीबी सुखलीन कौर और बीबी गुरलीन कौर ने गुरुवाणी का गायन किया। वहीं, दोपहर 12 से एक बजे तक ज्ञानी गुरदीप सिंह और ज्ञानी शूरवीर सिंह ने कीर्तन के माध्यम से संगत को निहाल किया। इस अवसर पर गुरुद्वारा साहिब के हेड ग्रंथी ज्ञानी प्रताप सिंह ने श्री गुरु नानक देव जी के जीवन और उनकी शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी ने पूरी मानवता को प्रेम, समानता, सेवा और सद्भाव का संदेश दिया। उन्होंने संगत से गुरु जी के बताए मार्ग पर चलने और उनकी शिक्षाओं को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के समापन पर सरबत के भले की अरदास की गई। इस अवसर पर गुरुद्वारा कमेटी के अध्यक्ष सरदार महेंद्र सिंह, स्त्री सत्संग की प्रधान प्रवेश भाटिया, बलराम भाटिया, राजकुमार छाबड़ा, मनोज कुमार सैनी, राकेश आहूजा, गुलशन, सरदार महिमा सिंह और सरदार संदीप सिंह खालसा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

39 परिवारों को पांच–पांच लाख की मदद

पुरोला। मोरी विकासखंड के पावणी गांव में हुए भीषण अग्निकांड से प्रभावित 39 परिवारों को प्रदेश सरकार की ओर से आर्थिक सहायता वितरित की गई। विधायक दुर्गेश्वर लाल ने प्रत्येक प्रभावित परिवार को पांच पांच लाख रुपये की सहायता राशि के चेक सौंपे। इसके साथ ही छह माह के आवासीय किराये के लिए 24–24 हजार रुपये की धनराशि भी प्रदान की गई। विधायक दुर्गेश्वर लाल ने कहा कि अग्निकांड में कई परिवारों के वर्षों की मेहनत से बने आशियाने राख हो गए। ऐसे कठिन समय में सरकार प्रभावितों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवारों का पुनर्वास सरकार की प्राथमिकता है और उन्हें जीवन सामान्य करने के लिए आगे भी हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष राजीव कुंवर, भगत सिंह रावत, पूर्व ब्लॉक प्रमुख बच्चन सिंह पंवार, दर्शन सिंह रावत, बलबीर सिंह राणा, यशपाल पंवार आदि मौजूद रहे।

कमजोर बूथों पर जीत की जमीन तैयार करेगी भाजपा

उत्तरकाशी। प्रदेश में 2022 के विस चुनाव में कमजोर प्रदर्शन वाले बूथों पर इस बार मजबूत जीत के लिए भाजपा बूथ विजय अभियान शुरू करने जा रही है। 10 दिसंबर से 25 दिसंबर के बीच इस अभियान के तहत बूथ स्तर तक पार्टी के बड़े नेता पहुंचेंगे। पखवाड़े तक चलने वाले बूथ विजय अभियान की शुरुआत भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन करेंगे।

इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में शक्ति सम्मेलन एवं विभिन्न कार्यक्रमों से घर-घर, सरकार का रिपोर्ट कार्ड एवं उपलब्धियां को पहुंचाएंगे। प्रदेश महामंत्री कुंदन परिहार ने बताया कि चुनावी जीत की हैट्रिक लगाने की रणनीति के क्रम में पार्टी बूथ विजय अभियान चलाने जा रही है।यह विशेष अभियान बूथ सशक्तीकरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण होने वाला है। इसकी शुरुआत 10 दिसंबर को अल्मोड़ा से होगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन नौ



दिसंबर और दस दिसंबर का दो दिवसीय देवभूमि प्रवास प्रस्तावित है। इस प्रवास के क्रम में अल्मोड़ा संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत सांगठनिक कार्यक्रमों में वे शामिल होंगे। नौ दिसंबर की शाम को प्रदेश की कोर कमेटी बैठक में और इसके बाद दस दिसंबर को बूथ विजय अभियान में शामिल होंगे।

बूथ अध्यक्ष के घर पर लगेगी नाम पट्टिका

चुनाव रणनीति की दृष्टि से भाजपा इसे अतिमहत्वपूर्ण अभियान मान रही है। ए, बी और सी तीनों श्रेणियों के बूथों पर यह अभियान चलेगा। मकसद होगा बी श्रेणी को ए यानी हमेशा जीतने वाले बूथों में बदलना। सी श्रेणी के भी न जीते बूथों को भी जीत में बदलने पर फोकस रहेगा। इस दौरान बूथ अध्यक्ष के घर पर उनके नाम की पट्टिका और पार्टी का झंडा लगाया जाएगा। इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन अल्मोड़ा लोकसभा के एक बूथ की बैठक लेते हुए बूथ विजय अभियान का आगाज करेंगे। उसी लोकसभा के अंतर्गत एक शक्ति केंद्र सम्मेलन वृहद स्तर पर आयोजित किया जाएगा।

दुकान संचालक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में लटका मिला

पीपलकोटी। रविवार को अंग्रेजी शराब की दुकान के संचालक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे में पंखे से लटका मिला। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है।

पीपलकोटी में शराब की दुकान के संचालक सुरेश पुत्र हरीश राम निवासी अल्मोड़ा ने रविवार को काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खोला। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मकान मालिक, अन्य सेल्समैन व स्थानीय लोगों की मौजूदगी में दरवाजा खुलवाया तो अंदर देखा सुरेश कुमार का शव पंखे से लटका मिला। घटना की जानकारी मिलने पर प्रभारी निरीक्षक चमोली मनोज सिरोला ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि मौके पर कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

विद्यार्थियों ने परोसे पहाड़ी व्यंजन



गोपेश्वर। उत्तराखंड की पारंपरिक खान-पान संस्कृति से नई पीढ़ी को जोड़ने के उद्देश्य से उत्तराखंड पब्लिक स्कूल गोपेश्वर में शनिवार को खाद्य महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर अपने हाथों से विभिन्न पारंपरिक उत्तराखंडी व्यंजन तैयार किए और आकर्षक स्टॉल लगाए। महोत्सव में पहाड़ी पकवानों की खुशबू से विद्यालय परिसर महक उठा। विद्यार्थियों ने व्यंजनों की विशेषताओं और उनके सांस्कृतिक महत्व की जानकारी भी दी। अभिभावकों एवं अतिथियों ने व्यंजनों का स्वाद चखा। प्रधानाचार्या अरुणा रावत ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मनिर्भरता, टीम भावना, सहयोग और अपनी संस्कृति के प्रति सम्मान विकसित करते हैं। इस अवसर पर शिक्षक एचएस नेगी, रेखा रावत, सोनू असवाल, शीला जुयाल और रीना नेगी सहित अन्य मौजूद रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में पुलिस की बड़ी कार्रवाई



टिहरी। नाबालिग से दुष्कर्म के गंभीर मामले में टिहरी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वांछित अभियुक्त को देहरादून से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक टिहरी गढ़वाल श्रीमती सरिता डोबाल के निर्देशन में महिला एवं बाल अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, नाबालिग से दुष्कर्म के संबंध में 27 नवंबर को कोतवाली कैम्पटी में शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 55/2026 दर्ज करते हुए भारतीय न्याय संहिता की धारा 65(1) तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 5(न)(ं), 5(')/6 के तहत अभियोग पंजीकृत किया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी टिहरी ने संबंधित पुलिस टीम को अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। इसके बाद कोतवाली कैम्पटी पुलिस ने विशेष टीम गठित कर अभियुक्त की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने संभावित ठिकानों पर दबिश देने के साथ ही सुरागरसी-पतारसी के माध्यम से उसकी तलाश जारी रखी।

सड़क से जुड़ेगा मद्महेश्वर घाटी का आखिरी गांव गौंडार

ऊखीमठ। द्वितीय केदार मद्महेश्वर को जोड़ने वाले गांव गौंडार तक शीघ्र सड़क पहुचेगी। लोनिवि ऊखीमठ ने इसका काम शुरू कर दिया है। रांसी से आगे तरसाली-गौंडार सड़क पांच किमी लंबी है। इस पर 3.85 किमी तक निर्माण हो चुका है। बाकी का निर्माण 2.49 लाख की लागत से किया जा रहा है। इस सड़क के बनने से मद्महेश्वर की पैदल दूरी 10 किलोमीटर की होगी। अभी तरसाली से मद्महेश्वर तक करीब 15 किमी पैदल चलना पड़ता है।

लोनिवि के अधिशासी अभियंता इंद्रजीत बोस ने बताया कि आगामी तीन दिनों में प्रधान अनूप पंवार, ठेकेदार व विभाग के अधिकारी संयुक्त निरीक्षण कर लोगों से वार्ता के बाद सड़क का निर्माण शुरू किया जाएगा। सड़क बनने से गौंडार गांव सीधे सड़क से जुड़ेगा। यह गांव मद्महेश्वर घाटी का आखिरी गांव है। इस मार्ग के बनने से तीर्थ यात्रियों व गांव के लोगों को खाद्य सामग्री व अन्य वस्तुओं को गांव तक पहुंचाने का लाभ मिलेगा।

ओ क्रीम पौडरा घिसनी किले ने...गीत पर जमकर थिरके दर्शक

चंबा (टिहरी)। चंबा महोत्सव एवं पर्यटन विकास मेले की चौथी सांस्कृतिक संध्या लोकगायिका श्वेता महारा के नाम रही। बादशाहीथौल के बंगाचली मैदान में आयोजित कार्यक्रम में उनके गीतों पर दर्शक देर तक झूमते रहे। श्वेता ने 'हे मधु क्या भली मुखड़ी तेरी, क्या भल बुलाण, कतु भली आंख तेरी...' और ओ क्रीम पौडरा घिसनी किले न, मेरी निर्मला समझी किले न...' जैसे लोकप्रिय गीत सुनाए।

इन गीतों पर दर्शकों ने तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया और कई दर्शक गीतों के साथ सुर में सुर मिलाते नजर आए। इसके बाद उन्होंने "कानू मां पैर मधुली झुमका तू...", "ओ रंगीली पिछौड़ी तू पैर...", "लगीछी मेरी बाना...", "म्यर सया जी..." और "कमला छोरी..." गीतों की प्रस्तुति दी। गीतों



की धुन पर दर्शक अपनी जगहों पर थिरकते रहे। इस मौके पर मेला समिति के अध्यक्ष सुशील रावत, संरक्षक प्रवीन रावत, सचिव पवनेश कुमार, जिला सहकारी अध्यक्ष सुभाष रमोला, सुशील बहुगुणा, वीरेंद्र सेमवाल, अरविंद मखलोगा आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

गैंडा वध के साथ पांडव लीला संपन्न

गैरसैंण। मेहलचौरी के पास सिलंगा गांव में पांडव नृत्य लीला गैंडा वध के साथ संपन्न हुई। यह आयोजन 11 नवंबर से शुरू हुआ था। गांव में 10 वर्षों के अंतराल के बाद यह पौराणिक पांडव लीला हुई थी। 18 दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में गांव के परिवारों ने बारी-बारी से पूजा-अनुष्ठान में हिस्सा लिया।

शांति पाठ के बाद रविवार को भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मुख्य अतिथि जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष मुकेश नेगी रहे। आयोजन के दौरान कुंती माता की भूमिका गौरी देवी ने, श्रीकृष्ण की प्रियांशु, अर्जुन की सुरेंद्र सिंह, द्रौपदी की रेखा देवी, युधिष्ठिर की दिनेश पंवार भीम की राकेश सिंह, बर्बरीक की प्रकाश सिंह, नकुल की रामचंद्र ने जीवंत भूमिका निभाई।

खेल मैदान के लिए 2.5 लाख रुपये देने की घोषणा की

आदिबदरी। एसजीआरआर के वार्षिकोत्सव पर छात्र-छात्राओं ने ज्ञान-विज्ञान व लोक संस्कृति पर आधारित कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियां दीं। वार्षिकोत्सव का शुभारंभ विधायक अनिल नौटियाल ने किया। उन्होंने खेल मैदान के लिए विधायक निधि से 2.5 लाख रुपये देने की घोषणा की। वार्षिकोत्सव पर वैष्णवी व उनकी टीम की ओर से प्रस्तुत बारबरिक नृत्य पहली बार दर्शकों को देखने को मिला। टीम की ओर से वीर माधो सिंह मलेथा पर आधारित गीत-नाटिका ने दर्शकों को भावुक कर दिया। छात्र-छात्राओं ने राजस्थानी लोकनृत्य, आर्मी डांस, पंजाबी नृत्य और नंदा देवी राजजात पर आधारित नृत्य ने भी दर्शकों को प्रभावित किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि टीका प्रसाद मैखुरी, प्रधानाचार्य सिद्धार्थ नेगी, पीटीए अध्यक्ष नवीन बहुगुणा, सुरेंद्र खत्री, मुकेश कुंवर, सोनिया चौहान, बिजेंद्र कठैत, संजय रावत, जयप्रकाश बहुगुणा आदि उपस्थित रहे।

60 से अधिक ग्रामीणों ने कराई स्वास्थ्य जांच

नारायणबगड़। स्माइल फाउंडेशन और एचडीएफसी बैंक के सहयोग से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में निशुल्क विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। शिविर में दंत रोग विशेषज्ञ और जनरल फिजिशियन ने दूर-दराज के गांवों से आए ग्रामीणों की जांच की। साथ ही ग्रामीणों की बीपी-शुगर, एचबी जांच, दंत परामर्श और दवाएं मुफ्त दी गईं। शिविर में 60 से अधिक ग्रामीणों ने स्वास्थ्य जांच कराई। स्माइल फाउंडेशन के प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर राजेश कुमार ने बताया कि फाउंडेशन की मोबाइल क्लीनिक यूनिट थराली और नारायणबगड़ ब्लॉक के 34 गांवों में जाकर नियमित हेल्थ कैंप करती है जिसका लोगों को फायदा मिल रहा है।

इस अवसर पर जनरल फिजिशियन डॉ. पंकज सिंह, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. अविनाश, डॉ. सौरभ,प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणबगड़ के वरिष्ठ फार्मेसिस्ट केडी भट्ट, सोनी शाह, फार्मासिस्ट प्रेमा नेगी आदि मौजूद रहे।

छह दिन बाद मिला कैमरा लौटाया

गैरसैंण। थराली निवासी एक युवक का करीब 1.80 लाख रुपये कीमत का कीमती कैमरा गुम होने के छह दिन बाद पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया। इसके बाद कोतवाली बुलाकर कैमरा उसके स्वामी को सुपुर्द कर दिया गया। थराली निवासी एक युवक ने कोतवाली गैरसैंण में सूचना दी थी कि गैरसैंण भ्रमण के दौरान उनका महंगा कैमरा कहीं गुम हो गया है।

शिकायत पर पुलिस टीम ने संभावित स्थानों पर खोजबीन की और कैमरा बरामद कर लिया। इसके बाद युवक को कोतवाली गैरसैंण बुलाकर उसका कैमरा सुरक्षित सौंप दिया गया।

लोक संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी: धामी

देहरादून। ढोल-दमाऊं की गूंज, लोकगीतों की मधुर स्वर लहरियां और पारंपरिक लोकनृत्यों की छटा उत्तराखंड की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान हैं। इस विरासत को संरक्षित कर नई पीढ़ी तक पहुंचाना केवल सरकार ही नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है। यह बात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को हरिद्वार बाईपास रोड स्थित सोशल बलूनी स्कूल में आयोजित 'उत्तराखंड लोक विरासत-2026' कार्यक्रम में कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की लोक संस्कृति महज मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी जड़ों, इतिहास, परंपराओं और पूर्वजों के संघर्षों की अमूल्य धरोहर है। ऐसे आयोजन लोगों को अपनी सांस्कृतिक पहचान से जोड़ने के साथ ही अपनी विरासत पर गर्व करने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने आयोजकों और संस्कृति प्रेमियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि लोक परंपराओं को जीवंत बनाए रखने में ऐसे मंचों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि जब ढोल-दमाऊं की थाप गूंजती है और पारंपरिक लोकनृत्यों के माध्यम से पहाड़ की संस्कृति मंच पर साकार होती है, तो हर उत्तराखंडी का मन अपनी मिट्टी और गांव की स्मृतियों से जुड़ जाता है। हमारी लोक परंपराओं में प्रकृति के प्रति सम्मान, सामाजिक समरसता और सामूहिक जीवन की भावना समाहित है। लोकगीत और लोकनृत्य हमारे पूर्वजों के अनुभवों, संघर्षों और जीवनशैली को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाने का माध्यम हैं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकास भी, विरासत भी' मंत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि देश में प्राचीन सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को नई पहचान देने के साथ आधुनिक विकास को भी गति मिल रही है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम का पुनर्विकास और उज्जैन में महाकाल लोक इसके उदाहरण हैं। इसी सोच के अनुरूप उत्तराखंड सरकार भी प्रदेश की धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए कार्य कर रही है।

लोक कलाकारों को आर्थिक सहायता और सम्मान

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक कलाकार हमारी सांस्कृतिक धरोहर के वास्तविक संवाहक हैं। उनके योगदान और साधना का सम्मान करना सरकार और समाज दोनों का दायित्व है।

सीएमटीसी सोनला में हुई जूरी चयन प्रक्रिया

नेदासैण। ग्राम्य विकास विभाग के राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित भूली कार्यक्रम की प्रथम चरण की जूरी चयन प्रक्रिया सीएमटीसी सोनला में हुई। यह कार्यक्रम आईआईएम काशीपुर के सहयोग से चलाया जा रहा है। जनपद से भूली कार्यक्रम के तहत कुल 127 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था।

इनमें से 24 प्रतिभागी भौतिक सत्यापन प्रक्रिया में सफल रहे। जूरी कमेटी के सदस्यों ने इस दौरान प्रतिभागियों के कार्यों का मूल्यांकन किया। इस अवसर पर विजय काला, गिरीश मिश्रा और प्रशांत सुरी, आईआईएम काशीपुर से गिरधर बिष्ट आदि मौजूद रहे।

संगम मार्ग का पुश्ता ढहा, दुर्घटना का खतरा



रुद्रप्रयाग। नगर पालिका के वार्ड चार में अलकनंदा-मंदाकिनी संगम को जोड़ने वाला पैदल मार्ग करीब चार फीट क्षतिग्रस्त हो गया है। रविवार को पुश्ता ढहने से मार्ग पर आवाजाही प्रभावित रही। संगम पहुंचने वाले पर्यटकों और भरदार क्षेत्र के राहगीरों को परेशानी हो रही है। अरविंद पंवार, सुनील डिमरी, संतोषी देवी, सीमा देवी और शुभम सेमवाल ने नगर पालिका से शीघ्र पुश्ता निर्माण की मांग की। वहीं नगर पालिका अध्यक्ष संतोष रावत ने बताया कि मार्ग निर्माण के लिए स्थानीय ठेकेदार को कहा गया है। जल्द मार्ग दुरुस्त किया जाएगा।

मुनाफे का लालच देकर ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

कर्णप्रयाग। शेयर बाजार में मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर 18.65 लाख रुपये की साइबर ठगी के मामले में चमोली पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को राजस्थान की जिला जेल टोंक से वारंट-बी के माध्यम से लाकर न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

कोतवाली में धोखाधड़ी और आपराधिक षड्यंत्र के आरोप में दर्ज एक प्राथमिकी के मामले में विवेचना में प्रकाश में आया कि साइबर अपराधियों ने वादी को शेयर बाजार में ट्रेडिंग कर मोटा मुनाफा कमाने का लालच दिया था। आरोपियों ने निवेश के नाम पर वादी से अलग-अलग माध्यमों से 18.65 हजार रुपये का लेन-देन करके धोखाधड़ी की। पुलिस की ओर से विवेचना में आशीष मीणा उर्फ लक्की निवासी टोंक, राजस्थान की संलिप्तता सामने आई। आरोपी ने शुरुआती निवेश के नाम पर धनराशि ट्रांसफर करवाई गई थी। आरोपी को राजस्थान पुलिस ने अगस्त 2026 में गिरफ्तार किया था और वह जिला कारागार टोंक में बंद था। चमोली पुलिस ने उसके खिलाफ साक्ष्य जुटाकर न्यायालय से वारंट-बी प्राप्त किया और उसे कर्णप्रयाग लाकर न्यायालय में पेश किया। यहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। वहीं मामले में अब तक दो आरोपियों की संलिप्तता सामने आई है।

कॅरिअर काउंसलिंग में बताए तनाव दूर करने के उपाय

अगस्त्यमुनि। राइंका कंडारा में रिन्यू पावर और सृष्टि फाउंडेशन ने कॅरियर काउंसिलिंग व साइबर सिक्योरिटी विषय पर कार्यशाला आयोजित की। इसमें छात्र-छात्राओं को कॅरिअर के बेहतर विकल्प चुनने, परीक्षा के तनाव से निपटने और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। मुख्य वक्ता देवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार भविष्य का चुनाव करना चाहिए। उन्होंने परीक्षा के दौरान होने वाले तनाव को सकारात्मक सोच, नियमित अध्ययन और आत्मविश्वास के साथ दूर करने के तरीके बताए। पीयूष मैठाणी ने साइबर सिक्योरिटी और आधुनिक तकनीक की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित उपयोग करने और साइबर सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने को प्रेरित किया। संचालन भानु रावत ने किया।

वार्षिकोत्सव में रही सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम



रुद्रप्रयाग। एसजीआरआर तिलणी में विद्यालय का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी जी ने किया। समारोह में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों गढ़वाली लोकगीत, कुमाउंनी, हिंदी, राजस्थानी, देशभक्ति, पंजाबी आदि की प्रस्तुति दी। बच्चों ने मां नंदा देवी राजजात यात्रा का मंचन किया। चक्रव्यूह के मंचन ने दर्शकों को भावुक किया। मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से प्रतिभा का विकास होता और छात्र-छात्राओं को अपने मूल्यांकन का अवसर मिलता है। प्रधानाचार्य राकेश सिंह चौहान ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न और शॉल भेंट किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक संघ के अध्यक्ष अयोध्या प्रसाद सती, पूर्व अध्यक्ष व अभिभावक उपस्थित रहे।

सीएचसी जखोली में विशेषज्ञ चिकित्सकों का टोटा



जखोली। सीएचसी जखोली में विशेषज्ञ चिकित्सकों का टोटा बना है। यहां पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिलने से बांगर पट्टी, लस्या और सिलगढ़ क्षेत्र के करीब 100 से अधिक गांवों की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। मरीजों को गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए करीब 61 से 218 किमी दूर श्रीनगर या देहरादून जाना पड़ रहा है।

सीएचसी में अस्पताल में चिकित्सकों के कुल सात पद स्वीकृत हैं। यहां हड्डी रोग विशेषज्ञ, सर्जन, स्त्री रोग विशेषज्ञ और बाल रोग विशेषज्ञ के पद रिक्त हैं। रेडियोलॉजिस्ट की नियुक्ति न होने से अस्पताल में अल्ट्रासाउंड नहीं हो पा रहे हैं। विशेषकर गर्भवती महिलाओं को अल्ट्रासाउंड के लिए जिला चिकित्सालय जाना पड़ता है। हालांकि अस्पताल में नर्सिंग स्टाफ और लैब की सेवाएं सुचारू रूप से संचालित हैं। सीएमओ डॉ. पारुल गोयल ने बताया कि रिक्त पदों को भरने के लिए निदेशालय को पत्र भेजे गए हैं। उम्मीद है कि जल्द रिक्त पदों पर नियुक्ति होगी। वहीं राज्य आंदोलनकारी सुरेंद्र दत्त सकलानी ने चेतावनी दी कि अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाएं दुरुस्त नहीं हुई तो वे भूख हड़ताल शुरू करेंगे।

राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग में गगन ने बढ़ाया टिहरी का मान

नई टिहरी। वानिकी महाविद्यालय रानीचौरी में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर कार्यरत गगन कुमार ने राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर टिहरी का मान बढ़ाया है। दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उन्होंने देशभर के खिलाड़ियों के बीच दमदार प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। गगन ने इससे पहले सितंबर 2026 में देहरादून में आयोजित उत्तराखंड पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया था। उन्होंने बेंच प्रेस स्पर्धा में स्वर्ण और डेडलिफ्ट में रजत पदक जीता था।

बड़ेथ क्षेत्र के स्कूलों के रास्ते बदहाल

बसुकेदार। वर्ष 2025 की आपदा के एक साल बाद भी बड़ेथ क्षेत्र में विद्यालयों तक पहुंचने वाले रास्तों की मरम्मत नहीं हो सकी है। इससे जनता इंटरमीडिएट कॉलेज देवनगर और जूनियर हाईस्कूल बष्टी के छात्र-छात्राओं को जान जोखिम में डालकर विद्यालय पहुंचना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि रास्तों पर अब भी बोल्डर पड़े हैं। डोल गदेरे पर पुलिया का निर्माण भी नहीं हुआ है।

पिछले वर्ष आई आपदा में विद्यालयों के आवागमन के मार्ग क्षतिग्रस्त हो गए थे। प्रधान बष्टी आकांक्षा भट्ट, ग्राम प्रधान डूंगर प्रेमनाथ और प्रधान बडेथ दीनानाथ का कहना है कि रास्तों की मरम्मत और पुलिया निर्माण के लिए संबंधित कार्यालयों को पत्र भेजे गए पर काम शुरू नहीं हुआ। जूनियर हाईस्कूल बष्टी के आसपास जंगल का क्षेत्र है। गदेरे के रास्ते पर पुलिया नहीं होने से बच्चों को आवागमन में परेशानी हो रही है। वहीं जंगली सुअरों व अन्य जंगली जानवरों से भी खतरा बना रहता है। उन्होंने पुलिया निर्माण, विद्यालय के पहुंच मार्ग और जूनियर हाईस्कूल बष्टी के चहारदीवारी के निर्माण की मांग की। वहीं अगस्त्यमुनि के खंड विकास अधिकारी सुरेश शाह ने बताया कि डोल गदेरे के संबंध में कार्यालय को कोई पत्र प्राप्त नहीं हुआ। पत्र मिलने पर निरीक्षण किया जाएगा और इस्टीमेट तैयार कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

नाइजर में सैन्य चौकी पर बड़ा हमला

नियामे , एजेंसी। नाइजर के पश्चिमी इलाके में हथियारबंद हमलावरों ने सैन्य चौकी को निशाना बनाया। हमले में नेशनल गार्ड के 13 जवानों की मौत हो गई, जबकि 20 अन्य घायल हुए हैं। यह हमला टिल्लाबेरी क्षेत्र के सनाम में हुआ। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, हमलावरों का समूह भारी हथियारों से लैस था। जवाबी कार्रवाई में कई हमलावर भी मारे गए और उनके उपकरण नष्ट कर दिए गए। सेना हमलावरों की तलाश में अभियान चला रही है। नाइजर में 2023 के सैन्य तख्तापलट के बाद सुरक्षा हालात लगातार बिगड़ने की बात कही जा रही है।

भ्रष्टाचार के मामले में चीन के पूर्व क्षेत्रीय प्रमुख को मौत की सजा

बीजिंग, एजेंसी। चीन की अदालत ने गुआंग्शी क्षेत्र के पूर्व प्रमुख लान तियानली को रिश्वत लेने के मामले में मौत की सजा सुनाई है। हालांकि, इस सजा पर दो साल की रोक लगाई गई है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, लान ने 2008 से 2025 के बीच अपने सरकारी पदों का दुरुपयोग कर कारोबार, परियोजनाओं के ठेके और अधिकारियों की नियुक्तियों में मदद के बदले 58.7 करोड़ युआन (करीब 88 मिलियन डॉलर) की रिश्वत ली। दो साल की अवधि में नया अपराध नहीं करने पर उनकी मौत की सजा उम्रकैद में बदल दी जाएगी। इसके बाद उन्हें पैरोल या सजा में और छूट नहीं मिलेगी।

नेपाल के विदेश मंत्रालय ने जताया दुख

काठमांडू , एजेंसी। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने सऊदी अरब में नेपाली नागरिक की मौत पर दुख जताया है। मंत्रालय ने हमलों में घायल हुए तीन अन्य नेपाली नागरिकों की हालत को लेकर भी चिंता जताई है। मंत्रालय ने गुरुवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सऊदी अरब में हालिया हमलों में एक नेपाली नागरिक की दुखद मौत से हम बेहद दुखी हैं। हमलों में घायल हुए तीन अन्य नेपाली नागरिकों को लेकर भी चिंतित हैं।नेपाल के विदेश मंत्रालय ने सभी संबंधित पक्षों से अधिकतम संयम बरतने की अपील की है। मंत्रालय ने विवादों को शांतिपूर्ण तरीकों से सुलझाने की भी मांग की है।

ईंधन की बढ़ती कीमतों का असर, नॉर्वे की बजट एयरलाइन ने दिवालियापन के लिए किया आवेदन

ओस्लो , एजेंसी। नॉर्वे की बजट एयरलाइन नॉर्स अटलांटिक एयरवेज ने शुक्रवार को दिवालियापन के लिए आवेदन कर दिया। इससे एक दिन पहले ही एयरलाइन ने अपनी उड़ानें और टिकटों की बिक्री बंद कर दी थी। वर्ष 2021 में स्थापित यह एयरलाइन यूरोप से एशिया, दक्षिण अफ्रीका और अमेरिका के लिए सस्ती हवाई यात्रा की सुविधा देती थी। एयरलाइन की मूल कंपनी नॉर्स अटलांटिक एएसए ने एक बयान में कहा कि निदेशक मंडल ने दिवालियापन याचिका दायर करने का फैसला किया है। बोर्ड इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि अब कंपनी के संचालन को जारी रखने का कोई आधार नहीं बचा है। यह फैसला अमेरिकी बजट एयरलाइन स्पिरिट एयरलाइंस के दिवालियापन की कार्यवाही के दौरान अपना परिचालन बंद करने और कारोबार से बाहर होने के करीब सात महीने बाद आया है। ईरान के साथ अमेरिका के युद्ध के दौरान जेट ईंधन की बढ़ती कीमतों ने उन छोटी एयरलाइंस पर भारी वित्तीय दबाव डाला है।

फर्जी प्रोफाइल मुसीबत, एआई के डर से इंस्टाग्राम-फेसबुक छोड़ रहे कलाकार

लंदन, एजेंसी। जिस सोशल मीडिया ने कलाकारों को दुनिया में पहचान और बाजार दिया, अब वही उनके लिए मुसीबत बन गया है। एआई से कलाकृतियों की नकल, कलाकारों के नाम से फर्जी प्रोफाइल और उनकी कृतियों से दूसरों की कमाई ने स्वतंत्र कलाकारों के सामने नया संकट खड़ा कर दिया है। हालात ऐसे हैं कि कई कलाकार अपनी रचनात्मक पहचान और बौद्धिक संपदा बचाने के लिए इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे लोकप्रिय मंचों से दूरी बना रहे हैं। उनकी पेंटिंग के एआई संस्करण तैयार कर फर्जी प्रोफाइल के जरिये शॉपिफाई, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर बेचे जा रहे थे। बर्नहैम ने उस अकाउंट का पता वियतनाम के हो ची मिन्ह शहर तक लगाया, लेकिन इसके पीछे कौन था, यह पता नहीं चल सका।

ईरान-14 साल की पत्नी को पति ने पीट-पीटकर मारा

10 दिन पहले बच्चे को जन्म दिया था, मायके जाने की बात पर हुआ विवाद

तेहरान, एजेंसी। ईरान में 14 साल की सोगंद मुश्तारेकी की उसके 20 साल के पति ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। सोगंद ने 10 दिन पहले ही बच्चे को जन्म दिया था। आरोप है कि मायके जाने की बात पर दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। घटना 6 नवंबर को करमान प्रांत में हुई।



ईरान की नेशनल काउंसिल ऑफ रेजिस्टेंस की महिला समिति के मुताबिक, पति ने हत्या की बात कबूल कर ली है। उसने इसकी वजह पारिवारिक विवाद बताई। सोगंद की शादी 13 साल की उम्र में हुई थी। मानवाधिकार संगठन ईरान ह्यूमन राइट्स के मुताबिक, सोगंद के पिता ने बताया कि उसका पति उसे मायके वालों से बात नहीं करने देता था और घर में बंद कर देता था। कुछ समय पहले सड़क हादसे में घायल हुई सोगंद बच्चे को जन्म देने के बाद भी उससे उबर रही थी। संगठन के मुताबिक, आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया है।

21 साल की गर्भवती महिला को पति ने गोली मारी : सोगंद की हत्या वाले दिन ही ईरान के फार्स प्रांत में 21 साल की सेपिदेह रईसी की भी हत्या कर दी गई। वह चार महीने की गर्भवती थी और उसका तीन साल का एक बच्चा भी था। रिपोर्ट के मुताबिक, सेपिदेह अपने पति से तलाक लेना चाहती थी। इसी बात पर पति ने उसे गोली मार दी। हमले में उसके पेट में पल रहे बच्चे की भी मौत हो गई, जबकि उसकी मां घायल हो गई। सेपिदेह की शादी भी 13 साल की उम्र में हुई थी। नेशनल काउंसिल ऑफ रेजिस्टेंस की महिला समिति के मुताबिक, वह कई साल से पति की मारपीट झेल रही थी।

ईरान में अक्टूबर में महिलाओं की हत्या के 24 मामले : ईरान की नेशनल काउंसिल ऑफ रेजिस्टेंस की महिला समिति के मुताबिक, अक्टूबर 2026 में महिलाओं की हत्या के 24 मामले सामने आए। ज्यादातर महिलाओं को उनके घरों में ही मारा गया। आरोपी उनके जान-पहचान वाले पुरुष थे। ब्रिटेन के न्यूज चैनल ईरान इंटरनेशनल के मुताबिक, 21 मार्च से 13 अक्टूबर 2026 के बीच 84 महिलाओं और लड़कियों की हत्या हुई। इनमें 75 मामलों में आरोपी उनके परिचित थे। 8 नाबालिग लड़कियों को उनके पिता, भाई या परिवार के दूसरे सदस्यों ने मार डाला।

मानवाधिकार संगठन हेंगॉ के मुताबिक, 2025 में महिलाओं की हत्या के 207 मामले सामने आए। इनमें 31 हत्याएं परिवार की इज्जत के नाम पर की गईं। कम से कम 13 महिलाओं को शादी का प्रस्ताव ठुकराने, 10 को तलाक मांगने और 10 को बाल विवाह के बाद उनके पतियों ने मार डाला।

परिवार और पूर्व प्रेमी के हाथों 3 युवतियों की हत्या : ईरान में तीन युवतियों की हत्या के मामले सामने आए हैं। एक गर्भवती युवती की उसके माता-पिता ने गला घोंटकर हत्या कर दी, दूसरी को पूर्व प्रेमी ने गोली मार दी, जबकि तीसरी को उसके पिता ने पांचवीं मंजिल से नीचे फेंक दिया।

माता-पिता ने गर्भवती बेटी का गला घोंटा : 19 साल की हेलिया फत्ताही दो महीने की गर्भवती थी। उसने पिछले हफ्ते परिवार को इसकी जानकारी दी थी। मानवाधिकार संगठन हेंगॉ के मुताबिक, उसके माता-पिता वोरिया फत्ताही और लैला वेसी ने पहले उसे करीब 30 गोलियां जबरन खिलाईं और पीटा। इसके बाद तकिए से मुंह दबाकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने हत्या की वजह पारिवारिक विवाद बताई।

शादी से इनकार पर पूर्व प्रेमी ने गोली मारी : 18 नवंबर को गिलान प्रांत में 23 साल की सादफ हगबिन की जन्मदिन की पार्टी में गोली मारकर हत्या कर दी गई। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, आरोपी उसका पूर्व प्रेमी था। खबरऑनलाइन के अनुसार, युवती के शादी से इनकार करने पर उसकी हत्या की गई हो सकती है।

पिता ने स्कूल में पीटा, फिर पांचवीं मंजिल से फेंका : 15 नवंबर को केरमानशाह में 16 साल की सोगंद सय्यादी का शव अपार्टमेंट की इमारत के आंगन में मिला। हेंगॉ के मुताबिक, एक दिन पहले उसने स्कूल में कहा था कि पिता के साथ घर जाने पर उसे जान का खतरा है। आरोप है कि पिता कियोमार्स सय्यादी ने स्कूल में और फिर बाहर उसकी पिटाई की। अगले दिन उसे अपार्टमेंट की पांचवीं मंजिल से नीचे फेंक दिया। पुलिस ने पिता को हिरासत में लिया है, जबकि स्कूल की प्रिंसिपल को लापरवाही के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। ईरान के कानून में परिवार की इज्जत के नाम पर की जाने वाली हत्या के लिए अलग से कोई सख्त प्रावधान नहीं है। इस्लामिक पीनल कोड की धारा 301 के तहत पिता और दादा को अपनी संतान की हत्या के मामले में किसास यानी हत्या के बदले मौत की सजा से छूट मिल सकती है। ऐसे मामलों में आमतौर पर 3 से 10 साल तक की जेल हो सकती है। वहीं, हत्या के दूसरे मामलों में मौत की सजा का प्रावधान है। अलग-अलग संगठनों का अनुमान है कि ईरान में हर साल कम से कम 450 महिलाओं की परिवार की इज्जत के नाम पर हत्या कर दी जाती है।

हूती समूह ने यमन के ताइज प्रांत में हवाई हमले का किया दावा, 11 लोगों की मौत



सना, एजेंसी। यमन के हूती समूह ने शुक्रवार को दावा किया कि सऊदी अरब से जुड़े एक हवाई हमले में दक्षिण-पश्चिमी ताइज प्रांत में 11 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर बच्चे थे। हूती समर्थित अल-मसीरा टीवी के अनुसार, यह हमला ताइज के दक्षिणी हिस्से में स्थित प्रशासनिक केंद्र अल-तुरबाह में एक रिहायशी इमारत पर हुआ। राहत और बचाव दल ने मलबे से आठ शव बरामद किए।

एक स्थानीय सूत्र ने बताया कि यह इमारत आइसक्रीम बेचने वालों के रहने की जगह के रूप में इस्तेमाल की जाती थी। उसके अनुसार, मारे गए लोगों में ज्यादातर बच्चे थे। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में स्थानीय लोग मलबे के बीच फंसे लोगों की तलाश करते नजर आए। रिपोर्ट के मुताबिक, इलाके में सैन्य विमानों की लगातार उड़ानें जारी रहने की वजह से राहत कार्यों में दिक्कत आ रही है और बचाव दल बाकी पीड़ितों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, अल-मसीरा टीवी ने बताया कि यमन के लाल सागर तट पर स्थित मोखा जिले में तीन हवाई हमले हुए, जबकि पड़ोसी दक्षिणी प्रांत लहज के अल-कब्बैता जिले में भी एक हमला किया गया। इस बीच, यमन में सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने कहा कि उसने हूती समूह की ओर से सऊदी अरब के खिलाफ दागी गई तीन मिसाइलों को बीच रास्ते में ही नष्ट कर दिया। गठबंधन के प्रवक्ता तुर्की अल-मालिकी ने गुरुवार तड़के सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी बयान में कहा कि वायु रक्षा प्रणाली ने राजधानी रियाद की ओर दागी गई दो बैलिस्टिक मिसाइलों को रोक लिया। उन्होंने बताया कि मिसाइलों को रोके जाने के दौरान शहर के मध्य हिस्से में जोरदार धमाकों की आवाजें भी सुनी गईं। इससे पहले बुधवार देर रात अल-मलिकी ने कहा था कि सऊदी अरब के पश्चिमी क्षेत्र की ओर दागी गई एक क्रूज मिसाइल को भी नष्ट कर दिया गया। ये घटनाएं ऐसे समय में सामने आई हैं जब हूती समूह और सऊदी समर्थित सरकारी बलों के बीच संघर्ष तेज होता दिख रहा है।

पश्चिम एशिया में फिर बढ़ेगा तनाव: नाकाबंदी तोड़ने वाले जहाज पर अमेरिका ने किया हमला

तेहरान , एजेंसी। अमेरिकी सेना ने ईरान के बंदरगाहों की नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश कर रहे एक और व्यापारिक जहाज को निशाना बनाकर निष्क्रिय कर दिया है। यह कार्रवाई ओमान की खाड़ी में की गई। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने शुक्रवार को जारी बयान में इसकी जानकारी दी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, पलाऊ के झंडे वाला एमवी पैसिफिक आर्चर गुरुवार को अमेरिकी नाकेबंदी से बचकर निकलने की कोशिश कर रहा था। इस दौरान सैन्य विमान से जहाज के पिछले हिस्से पर सटीक हथियारों से हमला किया गया। इससे जहाज की प्रणोदन प्रणाली यानी आगे बढ़ने की क्षमता बंद हो गई। सेना ने बताया कि जहाज पर मौजूद नागरिक चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं।

ईरान के बंदरगाह से रवाना हुआ था जहाज : अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, पैसिफिक आर्चर ईरान के बंदरगाह बंदर अब्बास से रवाना हुआ था। इसके बाद उसने अमेरिकी नाकेबंदी को पार करने की कोशिश की। जहाजों की आवाजाही पर नजर रखने वाली वेबसाइटों पर इसकी मंजिल सिंगापुर बताई गई थी। अमेरिका ने अप्रैल से ईरान के बंदरगाहों की समुद्री नाकेबंदी कर रखी है। हालांकि, तेहरान के साथ शांति वार्ता के दौरान गर्मियों में इसे कुछ समय के लिए हटा लिया गया था। जुलाई में नाकेबंदी फिर से शुरू कर दी गई।

अमेरिकी सेना का कहना है कि नाकेबंदी दोबारा शुरू होने के बाद से उसने 158 व्यापारिक जहाजों को रास्ता बदलने के लिए मजबूर किया है। वहीं, आदेश नहीं मानने वाले जहाजों को निष्क्रिय करने की कार्रवाई भी की गई है। अमेरिकी सेना के मुताबिक, वसंत में नाकेबंदी शुरू होने के बाद से पैसिफिक आर्चर कम से कम 15वां ऐसा जहाज है, जिसे सार्वजनिक रूप से निष्क्रिय किए जाने की जानकारी दी गई है। गर्मियों में नाकेबंदी दोबारा लागू होने के बाद यह छठा जहाज है। इससे पहले सात नवंबर को एक अन्य जहाज को निष्क्रिय किया गया था। अमेरिका की इस कार्रवाई को लेकर पहले भी सवाल उठ चुके हैं।

लंदन: 83 की उम्र में दादी ने गुदवाया पहला टैटू, 31 की पोती को मिला सबक; जिंदगी की रेस से बाहर होने का डर खत्म

लंदन, एजेंसी। अक्सर जीवन के किसी मोड़ पर हमें ऐसा लगने लगता है कि समय हाथ से निकल रहा है। करियर की धीमी रफ्तार, अधूरे सपने और समाज के तय किए गए पैमाने इंसान को भीतर से तोड़ने लगते हैं। लेकिन एक 83 वर्षीय दादी के साहस और जिंदादिली ने न केवल उनकी 31 वर्षीय पोती की सोच बदल दी, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि नए अनुभवों और सपनों को जीने की कोई उम्र नहीं होती। यह कहानी है स्वतंत्र पत्रकार एडन मिलन और उनकी दादी कैरोलीन की, जिन्हें परिवार में प्यार से 'मीमम' कहकर पुकारा जाता है।

टेक्सास में रहने वालीं मीमम की इस अनोखी यात्रा ने उम्र को लेकर प्रचलित तमाम धारणाओं को चुनौती दी है। बात 2024 की गर्मियों की है। एडन की शादी से



ठीक एक रात पहले उत्तरी अमेरिका से आए परिवार के सदस्यों के साथ बातचीत के दौरान एडन थोड़ी चिंतित थीं। वह 31 वर्ष की होने वाली थीं और दो वर्षों बाद अपनी दादी से मिल रही थीं। इस बीच एडन ने अपने शरीर पर कुछ नए टैटू बनवा लिए थे। चूंकि दादी की स्वीकृति उनके लिए बहुत मायने रखती थी, इसलिए वह उन्हें दिखाने को लेकर थोड़ा संकोच कर रही थीं। इस मुलाकात के कुछ ही महीनों बाद मीमम ने एक ऐसा प्रस्ताव रखा जिसने एडन को चौंका दिया। उन्होंने कहा कि जब वह अगली पतझड़ में लंदन आएंगी, तो एडन उनका पहला टैटू बनवाने में मदद करें। मीमम ने तय किया कि वह अपने कंधे पर टैटू बनवाएंगी। शुरुआत में उनके मन में कई विचार आए, कभी उन्होंने अपने चार बच्चों के प्रतीक के रूप में चार छोटे पक्षियों या फूलों के बारे में सोचा, तो कभी पीठ पर 'जिंदगी एक बार मिलती है' जैसी भावना को उकेरने का विचार आया। यह पूरी प्रक्रिया एडन के लिए बड़ा सहारा भी बनी, जब वह अपने करिअर को लेकर भीतर ही भीतर परेशान थीं। उनके मन में यह भावना घर कर रही थी कि बाकी लोग उनसे अधिक युवा, प्रतिभाशाली और समझदार हैं। उन्हें बार-बार लग रहा था कि कहीं वह अवसरों की दौड़ में पीछे न छूट जाएं। ऐसे में दादी के टैटू की योजना ने उनका ध्यान बंटाया और आगे की जिंदगी के लिए प्रेरित किया। जब मीमम ने एडन के टैटू देखे, तो एक पल के लिए एडन को लगा कि शायद वह नाराज होंगी। लेकिन हुआ इसके बिल्कुल उलट। मीमम ने उनकी बांह थामी और उत्साह से बोलीं, 'ये तो कला हैं! मुझे इनके बारे में सब बताओ।' एडन ने अपनी कलाई के चारों ओर लिपटी बारीक रेखाओं वाली अमूर्त कलाकृति, और सजावटी दिल के पीछे छिपे अर्थ को दादी के साथ साझा किया।

होर्मुज स्ट्रेट में तेल टैंकर में धमाका, नियम का उल्लंघन करने पर बारूदी सुरंग से टकराया: आईआरजीसी

तेहरान, एजेंसी। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने शुक्रवार को दावा किया कि होर्मुज स्ट्रेट से एक अनधिकृत रास्ते से गुजरने की कोशिश कर रहा एक तेल टैंकर नौसैनिक बारूदी सुरंग से टकराने के बाद विस्फोट का शिकार हो गया और उसमें आग लग गई। आईआरजीसी के आधिकारिक समाचार मंच सेपाह न्यूज के अनुसार, यह घटना ओमान के अल घनम द्वीप के उत्तर में हुई। नौसेना ने अपने बयान में कहा कि यह टैंकर एक अन्य तेल टैंकर के साथ मिलकर गुप्त तरीके से होर्मुज स्ट्रेट को पार करने की कोशिश कर रहा था। बयान के मुताबिक, धमाके के बाद दूसरा टैंकर अपना रास्ता बदलकर लौट गया।



आईआरजीसी नौसेना का कहना है कि पिछले कुछ दिनों में ऐसे 'नियमों का उल्लंघन करने वाले' टैंकरों की संख्या में काफी कमी आई है, जो उसकी समुद्री क्षेत्र पर मजबूत पकड़ और नियंत्रण को दर्शाता है। इससे पहले शुक्रवार को आईआरजीसी ने दावा किया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने एक अमेरिकी एफ-16 फाइटिंग फाल्कन लड़ाकू विमान को अपना रास्ता बदलने और ईरान के दक्षिणी हवाई क्षेत्र से दूर जाने पर मजबूर कर दिया। सेपाह न्यूज के अनुसार, यह अमेरिकी लड़ाकू विमान हेंगाम द्वीप के दक्षिण-पूर्वी हिस्से के पास ईरानी हवाई क्षेत्र की ओर बढ़ रहा था। आईआरजीसी का आरोप है कि विमान उन जहाजों को सुरक्षा दे रहा था जिन्हें उसने समुद्री नियमों का उल्लंघन करने वाला बताया। आईआरजीसी ने दावा किया कि उसकी एयरोस्पेस फोर्स द्वारा चेतावनी स्वरूप गोलियां दागे जाने के बाद अमेरिकी विमान ने तेज मोड़ लिया और ईरानी हवाई क्षेत्र से दूर चला गया। बयान में ईरान की वायु रक्षा प्रणाली को आधुनिक और अत्याधुनिक बताया गया है। ने चेतावनी दी कि होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री यातायात से जुड़े नियमों को दरकिनार करने की किसी भी कोशिश को स्वीकार नहीं किया जाएगा। उसका कहना है कि अगर ऐसे उल्लंघन जारी रहे तो संबंधित जहाजों और उन्हें समर्थन देने वाली सैन्य ताकतों को और अधिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

ईरानी बलों ने अमेरिकी सैन्य कमांडरों को भी चेतावनी देते हुए कहा कि ईरान का हवाई क्षेत्र उसकी सशस्त्र सेनाओं के लिए 'रेड लाइन' है। बयान में कहा गया कि यदि भविष्य में अमेरिकी लड़ाकू विमान ईरानी हवाई क्षेत्र में घुसने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें वायु रक्षा प्रणाली की 'कड़ा और निर्णायक' प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ेगा।

जर्मनी में लगी अनोखी प्रदर्शनी, कसरत करते हुए? कलाकृतियां देख रहे लोग



डसेलडोर्फ , एजेंसी। अगर आप किसी कला दीर्घा में जाएं तो आमतौर पर माहौल काफी शांत होता है। लोग आराम से टहलते हुए कलाकृतियां निहारते हैं और सधी आवाज में बातचीत करते हैं। लेकिन जर्मनी के डसेलडोर्फ शहर स्थित म्यूजियम कुन्स्टपलास्ट ने इस खामोशी को तोड़ दिया है। यहां दर्शक सिर्फ कलाकृतियों की कला नहीं निहारते बल्कि ट्रेडमिल, रोइंग मशीन और वेट्स पर पसीना भी बहा रहे हैं। कुन्स्टपलास्ट म्यूजियम में इस माह शुरू हुई अनोखी प्रदर्शनी अगले साल 21 फरवरी तक चलने वाली है। विशेष पहल के तहत संग्रहालय के स्थायी संग्रह के बीच 70 से ज्यादा फिटनेस उपकरण और 23 मूवमेंट स्टेशन लगाए गए हैं। हर स्टेशन इस तरह रखा गया है कि कसरत करते हुए दर्शक आसपास की पेंटिंग्स और इंस्टॉलेशन से जुड़ सकें, जैसे किसी समुद्री दृश्य वाली कलाकृति के सामने रोइंग मशीन का होना। यह प्रयोग ऐसे ही नहीं किया गया है। बल्कि इसके पीछे 1926 की ऐतिहासिक जेसोलेई प्रदर्शनी की याद जुड़ी है, जो स्वास्थ्य, खेल, पोषण, चिकित्सा और संस्कृति को एक मंच पर लाई थी। सौ साल बाद उसी सोच को नए रूप में ढाल कुन्स्टपलास्ट ने दिखाने की कोशिश की है कि शरीर की सक्रियता और सौंदर्यबोध एक ही अनुभव का हिस्सा हो सकते हैं।

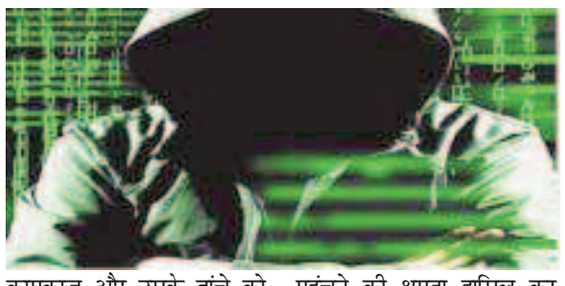
संगीत के साथ भी कर रहे वर्कआउट : सामान्य संग्रहालय टिकट या फिटनेस पास रखने वाले दर्शक खुद से कार्डियो और स्ट्रेंथ मशीनों का इस्तेमाल कर सकते हैं। यहां पिलाटेस, योग, बैरे, बॉक्सिंग जैसे सत्र आयोजित हो रहे हैं। वहीं हर हफ्ते बृहस्पतिवार को संगीत के साथ सामूहिक वर्कआउट की भी सुविधा है। किसी भी उम्र के लोग इसमें हिस्सा ले सकते हैं, बस 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के साथ किसी वयस्क का होना जरूरी है। सुरक्षा के लिए एप, वीडियो गाइड और प्रशिक्षक मौजूद रहते हैं। आयोजकों के अनुसार, इस पहल से दर्शकों की संख्या बढ़ी है और युवा से लेकर बुजुर्ग तक संग्रहालय में कसरत करते दिख रहे हैं। हालांकि, हर कोई इस बदलाव से खुश नहीं है। कई पारंपरिक कला प्रेमियों को यह मेल बेतुका लगा और उन्होंने सवाल उठाया कि डंबल और मशीनों का कला दीर्घा में क्या काम। आयोजकों का जवाब सीधा है-यह कोई स्थायी बदलाव नहीं है।

अमेरिका पर एक और साइबर हमला: अब वायुसेना के क्लाउड सिस्टम को हैकरों ने बनाया निशाना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की वायुसेना के सबसे अहम डिजिटल प्लेटफॉर्म पर हैकरों ने सेंध लगा दी है। इस हमले ने अमेरिकी सैन्य व्यवस्था की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हैकरों ने क्लाउड वन नाम के प्लेटफॉर्म को निशाना बनाया है, जहां वायुसेना के कर्मचारियों का रिकॉर्ड, भुगतान, हथियारों और सैन्य उपकरणों की जानकारी से जुड़े कई सिस्टम काम करते हैं। हमले का पता चलने के बाद प्लेटफॉर्म पर कई गतिविधियां रोकनी पड़ी हैं।

इस सेंधमारी का पता पिछले एक महीने के दौरान प्लेटफॉर्म को अपग्रेड करने के समय चला। इसके बाद अमेरिकी वायुसेना ने क्लाउड वन पर नए एप्लिकेशन यानी सॉफ्टवेयर जोड़ने की प्रक्रिया रोक दी। पहले से चल रहे सॉफ्टवेयर के अपडेट भी बंद कर दिए गए। कुछ यूजर के एडमिन अधिकार भी वापस ले लिए गए हैं। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हमला किसने किया, हैकरों को सिस्टम तक कितनी पहुंच मिली और क्या वे कोई संवेदनशील जानकारी चुराने में सफल रहे।

हैकरों ने सिस्टम में सेंध कैसे लगाई : हैकरों ने क्लाउड वन के कंट्रोल प्लेन में मौजूद सॉफ्टवेयर की एक खामी का फायदा उठाकर प्रवेश किया। कंट्रोल प्लेन वह हिस्सा होता है, जो पूरे क्लाउड सिस्टम के



कामकाज और उसके ढांचे को नियंत्रित करता है। इसे एक ऐसे रिमोट की तरह समझा जा सकता है, जिससे पूरे सिस्टम पर नजर रखी जा सकती है और कई गतिविधियों को नियंत्रित किया जा सकता है। इस स्तर तक पहुंच मिलने पर हैकर सैन्य विमानों की स्थिति और उनके कलपुर्जों की आवाजाही जैसी जानकारी तक पहुंचने की क्षमता हासिल कर सकते हैं। हालांकि, अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है कि हमलावरों ने वास्तव में ऐसी जानकारी देखी या हासिल की है।

क्या अमेरिकी सेना के हथियारों और सैन्य अभियानों की जानकारी भी खतरे में है : क्लाउड वन पर ऐसे कई एप्लिकेशन चलते हैं, जो अमेरिकी वायुसेना के रोजमर्रा के कामकाज से लेकर सैन्य अभियानों तक में मदद करते हैं। इनमें कर्मचारियों का रिकॉर्ड, वेतन भुगतान, रसद और सैन्य उपकरणों के रखरखाव से जुड़े सिस्टम शामिल हैं। प्लेटफॉर्म पर क्लाउड आधारित कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम भी मौजूद है, जो उत्तरी अमेरिका के अलग-अलग हिस्सों से वायु रक्षा रडार और दूसरी सूचनाओं को एक साथ जोड़ता है। इसके अलावा थिएटर इंटीग्रेटेड कॉम्बैट म्यूनिशन सिस्टम के जरिए दुनिया भर में अमेरिकी वायुसेना के 200 से अधिक ठिकानों पर बमों और मिसाइलों का रिकॉर्ड रखा जाता है। हमले का पता चलने के बाद क्लाउड वन पर नए बैक ऑफिस एप्लिकेशन स्थानांतरित करने की प्रक्रिया रोक दी गई है। कर्मचारियों को पहले से चल रहे सॉफ्टवेयर के अपडेट और सुरक्षा संबंधी सुधार इंस्टॉल करने से भी रोका गया है। कुछ यूजर के एडमिन अधिकार वापस ले लिए गए हैं। नुकसान का आकलन करने के लिए अमेरिकी साइबर कमांड को भी लगाया गया है। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से इस घटना की पुष्टि नहीं की है। अमेरिकी वायुसेना ने कहा है कि वह अपने विभाग की सूचनाओं, सिस्टम और सैन्य क्षमताओं की सुरक्षा के लिए लगातार जरूरी कदम उठाती रहती है।

व्यवहार से ग्रहों की स्थितियां होती हैं प्रभावित



ग्रहों का व्यक्ति के जीवन के साथ-साथ व्यवहार पर भी सीधा प्रभाव पड़ता है। हमारा व्यवहार हमारे ग्रहों की स्थितियों से संबंध रखता है या हमारे व्यवहार से हमारे ग्रहों की स्थितियां प्रभावित होती हैं। अच्छा या बुरा व्यवहार सीधा हमारे ग्रहों को प्रभावित करता है। ग्रहों के कारण हमारे भाग्य पर भी इसका असर पड़ता है। कभी-कभी हमारे व्यवहार से हमारी किस्मत पूरी बदल सकती है।

वाणी-

वाणी का संबंध हमारे पारिवारिक जीवन और आर्थिक समृद्धि से होता है।

ख़राब वाणी से हमें जीवन में आर्थिक नुक्सान उठाना पड़ता है।

कभी-कभी आकस्मिक दुर्घटनाएं घट जाती हैं।

कभी-कभी कम उम्र में ही बड़ी बीमारी हो जाती है।

वाणी को अच्छा रखने के लिए सूर्य को जल देना लाभकारी होता है।

गायत्री मंत्र के जाप से भी शीघ्र फायदा होता है।

आचरण-कर्म

हमारे आचरण और कर्मों का संबंध हमारे रोजगार से है।

अगर कर्म और आचरण शुद्ध न हों तो रोजगार में समस्या होती है।

व्यक्ति जीवन भर भटकता रहता है।

साथ ही कभी भी स्थिर नहीं हो पाता।

आचरण जैसे-जैसे सुधरने लगता है, वैसे-वैसे रोजगार की समस्या दूर होती जाती है।

आचरण की शुद्धि के लिए प्रात: और सायंकाल ध्यान करें।

इसमें भी शिव जी की उपासना से अद्भुत लाभ होता है।

जिम्मेदारियों की अवहेलना

जिम्मेदारियों से हमारे जीवन की बाधाओं का संबंध होता है।

जो लोग अपनी जिम्मेदारियां ठीक से नहीं उठाते हैं उन्हें जीवन में बड़े संकटों, जैसे मुक़दमे और कर्ज का सामना करना पड़ता है।

व्यक्ति फिर अपनी समस्याओं में ही उलझ कर रह जाता है।

अपनी जिम्मेदारियों को निभाने में कोताही न करें।

एकादशी का व्रत रखने से यह भाव बेहतर होता है।

साथ ही पौधों में जल देने से भी लाभ होता है।

सहायता न करना-

अगर सक्षम होने के बावजूद आप किसी की सहायता नहीं करते हैं तो आपको जीवन में मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

कभी न कभी आप जीवन में अकेलेपन के शिकार हो सकते हैं।

जितना लोगों की सहायता करेंगे, उतना ही आपको ईश्वर की कृपा का अनुभव होगा।

आप कभी भी मन से कमजोर नहीं होंगे।

दिन भर में कुछ समय ईमानदारी से ईश्वर के लिए जरूर निकालें।

इससे करुणा भाव प्रबल होगा, भाग्य चमक उठेगा।

वास्तु: इस दिशा में खुले तिजोरी तो होता है धन-लाभ

हर कोई घर में सुख-शांति और लक्ष्मी का वास चाहता है और इसके लिए लोग कई उपाय करते है। कुछ लोग पूजा-पाठ, हवन तो कुछ आपना घर वास्तु के अनुसार बनवाते हैं। वहीं वास्तु के अनुसार अगर आप घर में कुछ चीजें दिशा के अनुसार रखते हैं तो इसका भी असर आपके जीवन पर पड़ता है।

आइए जानते हैं वास्तु से जुड़ी कुछ बातें :

1. ड्रेसिंग टेबल के साथ दर्पण पूर्व या उत्तर की दीवारों पर होना चाहिए।

2. अलमारी शयन कक्ष के उत्तर पश्चिमी या दक्षिण की ओर होनी चाहिए। टीवी, हीटर और एयर कंडीशनर दक्षिण पूर्वी दिशा के कोने में स्थित होना चाहिए।

3. पढ़ने और लिखने की जगह पूर्व या शयन कक्ष के पश्चिम की ओर होनी चाहिए जबकि पढ़ाई करते समय मुंह पूर्व दिशा में होना चाहिए।

बेडरूम में सेफ या तिजोरी दक्षिण की दीवार के साथ रखनी चाहिए। खुलते समय उसका मुंह उत्तर की तरफ खुलना चाहिए। इससे धन में कमी नहीं आएगी।

4. दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम कोना कभी खाली नहीं रखना चाहिए।

5. बेडरूम के साथ लगता बाथरूम, कमरे के पश्चिम या उत्तर में होना चाहिए।

6. सोते समय एक अच्छी नींद के लिए सिर पूर्व या दक्षिण की तरफ होना चाहिए।







भगवान गणेश के साथ-साथ सूर्य देव की उपासना करना बहुत फलदायी माना जाता है

मान्यता है कि भगवान गणेश के साथ-साथ सूर्य देव की उपासना करना बहुत फलदायी माना जाता है। इसलिए बप्पा के साथ ही सूर्य देव की भी उपासना करें।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य देव को सभी ग्रहों का राजा माना जाता है। इसीलिए इसकी शुभ-अशुभ स्थिति व्यक्ति के जीवन पर बहुत गहरा प्रभाव डालती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार सूर्य देव की अलग-अलग प्रतिमाएं रखना शुभ माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार अपनी इच्छानुसार घर में सूर्य देव की प्रतिमाएं रखी जा सकती हैं। तो आइए आज जानते हैं कि सूर्य देव की कौन सी प्रतिमा को घर में रखा जा सकता है।

लकड़ी की प्रतिमा

ज्योतिष और वास्तु के अनुसार सूर्यदेव की लकड़ी की प्रतिमा घर रखना बहुत अच्छा माना जाता है। मान्यता है कि इसके निरंतर पूजा-पाठ करने से घर के लोगों का समाज में मान-सम्मान बढ़ता है। इसके साथ ही उन्हें भाग्य का साथ मिल जाता है।

मिट्टी की प्रतिमा

जिस जातक की कुंडली में सूर्य दोष हो और उसके सभी कामों में बार-बार बाधाएं आ रही हो तो वो इंसान घर में पत्थर या मिट्टी की सूर्य प्रतिमा रख सकता है। कहा जाता है कि इसकी पूजा करने से हर कार्य में सफलता मिलती है।

तांबे की प्रतिमा

कहते हैं कि घर में सकारात्मकता बनाए रखने के लिए हर किसी को तांबे से बनी प्रतिमा रखनी चाहिए। इसके शुभ असर से सभी परेशानियों से छुटकारा मिल सकता है।

चांदी की प्रतिमा

कार्य क्षेत्र में अधिकार बनाए रखने के लिए चांदी की सूर्य प्रतिमा रख सकते हैं।

सोने की प्रतिमा

सोने से बनी सूर्य प्रतिमा घर में रखने और उसकी पूजा करने से घर में धन-धान्य बढ़ता है, सुख-समृद्धि बनी रहती है।

भक्तों के पास रहते हैं भगवान

किसी भी वस्तु की चेतनता की पहचान इच्छा, क्रिया अथवा अनुभूति के होने से होती है। अगर किसी वस्तु में ये तीनों नहीं होते हैं, तो उसे जड़ वस्तु कहते हैं और इन तीनों के होने से उसे चेतन वस्तु कहते हैं। मनुष्य में इन तीनों गुणओं के होने से उसे चेतन कहते हैं। मनुष्य के मृत शरीर में इनके न होने से उसे अचेतन अथवा जड़ कहते हैं।

प्रश्न यह उठता है कि जो मनुष्य अभी-अभी इच्छा, क्रिया अथवा अनुभूति कर रहा था और चेतन कहला रहा था, वही मनुष्य इनके न रहने से मृत क्यों घोषित कर दिया गया जबकि वह सशरीर हमारे सामने पड़ा हुआ है? आमतौर पर एक डॉक्टर बोलेगा कि इस शरीर में प्राण नहीं हैं। शास्त्रीय भाषा में, जब तक मानव शरीर में आत्मा रहती है, उसमें चेतनता रहती है। उसमें इच्छा, क्रिया व अनुभूति रहती है। आत्मा के चले जाने से वही मानव शरीर इच्छा, क्रिया व अनुभूति रहित हो जाता है, जिसे आमतौर पर मृत कहा जाता है।

शास्त्रों के अनुसार स्वरूप से आत्मा सच्चिदानन्दमय होती है। सच्चिदानन्द अर्थात सत्+चित्+आनंद। संस्कृत में सत् का अर्थ होता है नित्य जीवन अर्थात् वह जीवन जिसमें मृत्यु नहीं है, चित् का अर्थ होता है ज्ञान जिसमें कुछ भी अज्ञान नहीं है और आनंद का अर्थ होता है नित्य सुख जिसमें दु:ख का आभास मात्र नहीं है। यही कारण है कि कोई मनुष्य मरना नहीं चाहता, कोई मूर्ख नहीं कहलवाना चाहता और कोई भी किसी भी प्रकार का दु:ख नहीं चाहता।

अब नित्य जीवन, नित्य आनंद, नित्य ज्ञान कहां से मिलेगा? जैसे सोना पाने के लिए सुनार के पास जाना पड़ता है, लोहा पाने के लिए लोहार के पास, इसी प्रकार नित्य जीवन-ज्ञान-आनंद पाने के लिए भगवान के पास जाना पड़ेगा क्योंकि एकमात्र वही हैं जिनके पास ये तीनों वस्तुएं असीम मात्रा में हैं। प्रश्न हो सकता है कि बताओ भगवान मिलेंगे कहां? ये भी एक बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है। कोई कहता है भगवान कण-कण में हैं, कोई कहता है कि भगवान मंदिर में हैं, कोई कहता है कि भगवान तो हृदय में हैं, कोई कहता है कि भगवान तो पर्वत की गुफा में, नदी में, प्रकृति में वगैरह।

वैसे जिस व्यक्ति के बारे में पता करना हो कि वह कहां रहता है, अगर वह स्वयं ही अपना पता बताए तो उससे बेहतर उत्तर कोई नहीं हो सकता। उक्त प्रश्न के उत्तर में भगवान कहते हैं कि मैं वहीं रहता हूं, जहां मेरा शुद्ध भक्त होता है। चूंकि हम सब के मूल में जो तीन इच्छाएं- नित्य जीवन, नित्य ज्ञान व नित्य आनंद हैं, वे केवल भगवान ही पूरी कर सकते हैं, कोई और नहीं। इसलिए हमें उन तक पहुंचने की चेष्टा तो करनी ही चाहिए।भगवान स्वयं बता रहे हैं कि वह अपने शुद्ध भक्त के पास रहते हैं। अत: हमें ज्यादा नहीं सोचना चाहिए और तुरंत ऐसे भक्त की खोज करनी चाहिए जिसके पास जाने से, जिसकी बात मानने से हमें भगवद्प्राप्ति का मार्ग मिल जाए। साथ ही हमें यह सावधानी भी बरतनी चाहिए कि कहीं वह भगवद्-भक्त के वेश में ढोंगी न हो। स्कंद पुराण के अनुसार भगवान शिव माता पार्वती से कहते हैं कि कलियुग में ऐसे गुरु बहुत मिलेंगे जो शिष्य का सब कुछ हर लेते हैं, परंतु शिष्य का संताप हर कर उसे सद्मार्ग पर ले आए ऐसा गुरु विरला ही मिलेगा।



हर समय महसूस होती है उदासी तो आजमाएं ये अचूक वास्तु टिप्स, बढ़ेगी पॉजिटिविटी

कई बार बाहर आते-जाते समय या फिर सबसे साथ होते हुए हमें ऐसा महसूस होता है, जैसे हम अकेले और बेबस हैं। कई बार बिना कारण रोने का मन करता है। ऐसे में अगर आप भी हर समय उदासी महसूस करते हैं, तो आप कुछ आसान वास्तु उपाय आजमाकर इस निगेटिविटी को दूर कर सकते हैं।

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में अक्सर लोगों को बिना किसी खास कारण के बेचैनी, उदासी और तनाव महसूस होने लगता है। यह कई बार हमारे आसपास मौजूद निगेटिव एनर्जी की वजह से होता है। जिसको वास्तु शास्त्र में 'वास्तु दोष' कहा जाता है। वास्तु के मुताबिक हमारे घर की बनावट, रंगों का चुनाव और वस्तुओं की दिशा सीधे तौर पर हमारी मानसिक शांति और भावनाओं को प्रभावित करने का काम करता है।

कई बार बाहर आते-जाते समय या फिर सबसे साथ होते हुए हमें ऐसा महसूस होता है, जैसे हम अकेले और बेबस हैं। कई बार बिना कारण रोने का मन करता है। ऐसे में अगर आप भी हर समय उदासी महसूस करते हैं, तो आप कुछ आसान वास्तु उपाय आजमाकर इस निगेटिविटी को दूर कर सकते हैं।

ऐसे दूर करें हर समय की उदासी

घर की दीवारों पर नीरस और गहरे रंग जैसे काला और भूरे रंग की बजाय हल्के और शांतिपूर्ण रंग जैसे हल्का हरा, हल्का नीला, पीला या क्रीम करवाएं। इन रंगों को सिर्फ अपने घर की दीवारों तक ही सीमित न रखें, बल्कि आप खुद भी इस तरह के रंगों के कपड़े अधिक से अधिक पहनें।



शुरूआत में हो सकता है कि आपको लगे कि यह कौन सा तरीका हुआ उदासी को दूर करने का। लेकिन यकीन मानिए कि आपको धीरे-धीरे बदलाव खुद महसूस होने लगेगा। इन चीजों को शुभ प्रभाव आप पर पड़ रहा है और आप सकारात्मकता की तरफ बढ़ रहे हैं।

हर समय की उदासी को मिटाने के लिए घर के खिड़की-दरवाजों को नियमित रूप से खोलें। जिससे कि ताजी हवा और प्राकृतिक रोशनी अंदर आ सके। सूर्य की रोशनी पॉजिटिव एनर्जी का सबसे बड़ा स्त्रोत है। वहीं अंधेरा उदासी और नकारात्मकता को बढ़ाता है।

वहीं शाम के समय पूरे घर में सुगंधित धूप या अगरबत्ती जलाएं। या फिर चंदन या लैवेंडर की खुशबू का उपयोग करें। इससे घर का वातावरण भी शुद्ध होता है और मन को शांति मिलती है। सोते समय हमेशा अपना सिर पूर्व या दक्षिण दिशा की ओर रखें।

वास्तु शास्त्र के मुताबिक उत्तर दिशा में सिर करके सोने से नींद की समस्याएं और तनाव बढ़ सकता है। अपने बेडरूम में इस बात का ध्यान रखें कि सोते समय शीशे में आपका प्रतिबिंब न दिखें। अगर शीशा ऐसी जगह पर है, तो रात में इसको पर्दे से ढक दें।

बेडरूम में आमने-सामने दो शीशें लगाने से भी तनाव बढ़ता है। वहीं अगर बिस्तर के ठीक ऊपर कोई बीम है, तो वहां से बिस्तर हटा लें। या फिर बीम को फॉल्स सीलिंग से ढक लें। बीम के नीचे सोने से मानसिक दबाव बढ़ता है।

इसके अलावा घर में कहीं भी धूल, कचरा या मकड़ी के जाले न जमने दें। खासकर घर के कोनों में अच्छे से सफाई करें। घर की गंदगी निगेटिविटी और मानसिक बोझ को बढ़ाता है। घर से टूटी हुई या दरार आई हुई चीजों को हटा दें। टूटी या दरार आई हुई चीजें नकारात्मकता लाती हैं, जोकि रिश्ते में तनाव व कलह का कारण बनती हैं। घर के पूर्व-उत्तर कोने को हमेशा साफ, हल्का और खाली रखें। क्योंकि यह दिशा शांति और मानसिक स्पष्टता से जुड़ी है। इसलिए इस दिशा में भारी सामान रखने से बचना चाहिए।

मानसिक तनाव को कम करने के लिए घर के ईशान कोण में किसी बड़े पात्र में साफ जल भरकर रखें। या फिर इस जगह एक छोटा सा पानी का फाउंटेन लगाएं।

एकादशी के दिन तुलसी तोड़ना चाहिए या नहीं?

अक्सर लोगों के मन में यह प्रश्न उठता है कि क्या एकादशी के दिन तुलसी जी को स्पर्श करना या उन्हें जल अर्पित करना शुभ होता है या अशुभ। इस विषय को लेकर कई तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं, जिनके कारण लोग भ्रम में पड़ जाते हैं। आइए आपको बताते हैं प्रेमानंद महाराज ने इस पर क्या बताया है। हिंदू धर्म में तुलसी पौधा को पूजनीय माना गया है। हर घर में तुलसी मां की पूजा जरुर की जाती है। तुलसी का पौधा आध्यात्मिक और धार्मिक दृष्टि से पूजनीय है। माता लक्ष्मी का स्वरुप है तुलसी जी। तुलसी की पूजा करने बेहद पुण्यदायक माना जाता है। सनातन धर्म में पूजा पाठ को लेकर कई नियम बताएं है। ऐसे में मां तुलसी की पूजा करने के कुछ जरुरी नियम है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कई घरों में एकादशी के दिन तुलसी की पत्तियां नहीं तोड़ी जाती है। इसके अलावा तुलसी के पौधे को जल देना शुभ नहीं होता है। आपके मन में भी अक्सर सवाल जरुर आता होगा कि एकादशी के दिन तुलसी जी को स्पर्श करना या जल चढ़ाना शुभ माना जाता है या अशुभ।

तुलसी की पूजा क्यों जरुरी है?

तुलसी जी की पूजा, दर्शन और सेवा करने से सभी प्रकार के पापों का नाश होता है। तुलसी की मंजरी को भगवान के चरणों में अर्पित करने वाला व्यक्ति, चाहे वह कितना भी दोषयुक्त क्यों न हो, यमपुरी का भय कभी महसूस नहीं करता। घर में तुलसी का पौधा लगाने से श्राद्ध कर्म करने जितना कल्याण होता है और पितर भी तृप्त होते हैं।

उत्तराखण्ड के विकास में श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका: महाराज

क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के दृष्टिगत एंबुलेंस का फीता काट कर किया शुभारंभ



एकेश्वर (पौड़ी)। किसी भी प्रदेश और देश के विकास में श्रमिकों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। हमारे श्रमिक भाई–बहन अपने कठिन परिश्रम और समर्पण से प्रदेश के विकास की आधारशिला रखते हैं। सड़कों, पुलों, भवनों, विद्यालयों, अस्पतालों और अन्य आधारभूत संरचनाओं के निर्माण में उनका अमूल्य योगदान रहता है।

उक्त बात प्रदेश कैबिनेट मंत्री और चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज ने अपने क्षेत्र भ्रमण के दूसरे दिन रविवार को विकासखण्ड मुख्यालय एकेश्वर (पणखेत) में उत्तराखण्ड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा आयोजित मेगा शिविर का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ करते हुए कही। उन्होंने जनकल्याणकारी आयोजन के लिए श्रम विभाग एवं भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि हमारी सरकार विकास में योगदान देने वाले श्रमिकों के जीवन में खुशहाली, सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयासरत है। हमारा मानना है कि श्रमिक केवल निर्माण कार्यों में ही योगदान नहीं देते, बल्कि वे एक सशक्त और विकसित उत्तराखण्ड के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस शिविर की विशेषता यह है कि इसके माध्यम से श्रमिक परिवारों को एक ही स्थान पर अनेक महत्वपूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री श्रमिक शिक्षण सामग्री वितरण के माध्यम से श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा को प्रोत्साहन मिलेगा। शिक्षा ही वह माध्यम है, जो आने वाली पीढ़ी के भविष्य को बेहतर बनाने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाती है।

श्री महाराज ने कहा कि इस शिविर में स्वच्छता सामग्री का भी वितरण किया गया है जो कि श्रमिक परिवारों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सहायक होगा। पोषण सामग्री का वितरण भी एक महत्वपूर्ण पहल है, क्योंकि स्वस्थ शरीर और संतुलित पोषण ही स्वस्थ समाज की नींव हैं। उन्होंने ने शिविर में श्रमिकों के लिए 46 प्रकार की स्वास्थ्य जांचों की सुविधा उपलब्ध कराने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि स्वास्थ्य किसी भी व्यक्ति की सबसे बड़ी पूंजी है। विशेषकर श्रमिक वर्ग, जो कठिन परिस्थितियों में कार्य करता है, उसके लिए समय–समय पर स्वास्थ्य परीक्षण अत्यंत आवश्यक है। इस प्रकार के शिविरों से श्रमिकों को अपनी स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी प्राप्त करने और आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श लेने में सुविधा मिलती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में केन्द्र सरकार और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण एवं उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मेगा शिविर में 177 श्रमिकों को शिक्षण सामग्री किट, 160 स्वच्छता किट और 180 श्रमिकों को पोषण किट का वितरण किया गया। शिविर में कुल 180 श्रमिकों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री एवं चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज एक विभागीय एंबुलेंस का फीता काट कर शुभारंभ किया। इसका संचालन स्वास्थ्य सेवाओं के दृष्टिगत एकेश्वर एवं अन्य क्षेत्रों में भी किया जायेगा।

कार्यक्रम के पश्चात श्री महाराज ने भाजपा मण्डल पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने का भी आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान एकेश्वर भाजपा मण्डल अध्यक्ष राकेश नैथाणी, महामंत्री सुनील रावत, विधानसभा प्रभारी दर्शन दानू, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य शुयश रावत, पूर्व प्रमुख नरेन्द्र डंडरियाल, पूर्व मण्डल अध्यक्ष सत्यराज सिंह, गणेश, डा० मनमोहन घिल्डियाल, अशोक पुण्डीर, विधायक प्रतिनिधि देवेन्द्र भट्ट, महिला मोर्चा मण्डल अध्यक्ष सीमा सजवाण, श्रमायुक्त एस०एस० रांगड, लेवर इन्स्पेक्टर – एम.के. बेलवाल, युवा मोर्चा अध्यक्ष राजेश्वर जाशी, महामंत्री पंकज डोबरियाल, पूर्व ज्येष्ठ प्रमुख मुकेश कण्डारी, जिला मंत्री वृजमोहन रावत सहित समस्त ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत सदस्य उपस्थित थे।

शबाना आजमी ने छेड़ी बदलाव की बात, विशाल–रेखा ने सुरों से बांधा समां



देहरादून। सिनेमा, साहित्य, कला और समकालीन संस्कृति से जुड़े संवादों के साथ रविवार को तीन दिवसीय देहरादून लिटरेचर फेस्टिवल (डीडीएलएफ) का समापन हो गया। महोत्सव के आखिरी दिन अभिनेत्री शबाना आजमी ने बदलाव की बात की तो शाम को निर्देशक, लेखक व संगीतकार विशाल भारद्वाज और गायिका रेखा भारद्वाज ने लाइव प्रस्तुति से समां बांध दिया। अमर उजाला महोत्सव का मीडिया सहयोगी रहा।

लिटरेचर, लेगेसी थीम पर आधारित महोत्सव में रविवार को दिन के कार्यक्रम की शुरुआत द आर्ट ऑफ लिविंग वेल झ एटिकेट, एम्पैथी एंड एवरीडे लाइफ सत्र से हुई। इसमें मानिक कौर ने शेफ और लेखक सुवीर सरन के साथ बातचीत की। सत्र में रोजमर्रा के जीवन में संवेदनशीलता, शिष्टाचार, शारीरिक हाव–भाव और सोच–समझकर संवाद करने के महत्त्व पर चर्चा हुई। व्यक्तिगत परिष्कार के साथ सहजता और मौलिकता बनाए रखने पर जोर देते हुए मानिक कौर ने कहा कि एक व्यक्ति के रूप में आपकी अपनी शख्सियत होती है और आप किसी दूसरे व्यक्ति होने का दिखावा नहीं कर सकते।

आसन रामसर साइट में बढ़ रहा प्रवासी पक्षियों का कुनबा

विकासनगर। आसन रामसर साइट में प्रवासी पक्षियों के आने का क्रम लगातार जारी है। विभागीय आंकलन के मुताबिक फिलहाल पक्षियों की संख्या 4300 तक पहुंच गई है। उधर तेजी से बढ़ रही पक्षियों की संख्या से पक्षी विशेषज्ञ व पक्षी प्रेमियों में भी उत्साह का बना हुआ है।आसन रामसर साइट हर साल सर्दियों में प्रवासी पक्षियों का पसंदीदा ठिकाना बनती है। यहां अनुकूल वातावरण और पर्याप्त भोजन उपलब्ध होने के कारण विभिन्न प्रजातियों के पक्षी लंबी दूरी तय करके पहुंचते हैं। इन पक्षियों का प्रवास अक्तूबर के मध्य से शुरू होता है और मार्च के पहले या दूसरे सप्ताह तक जारी रहता है। इस दौरान हजारों की संख्या में पक्षी यहां अपना प्रवासकाल बिताते हैं। इस बार भी प्रवासी पक्षियों के आगमन का सिलसिला तेजी से चल रहा है। एक सप्ताह पहले आसन रामसर साइट पर कराई गई पक्षी गणना में करीब तीन हजार पक्षियों की मौजूदगी का आकलन किया गया था।

शादी का झांसा देकर युवती से बनाए शारीरिक संबंध, आरोपी गिरफ्तार

देहरादून। राजधानी देहरादून में शादी का झांसा देकर युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाने और बाद में शादी से इनकार कर उसे धमकाने का मामला सामने आया है। युवती की शिकायत पर पटेलनगर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पटेलनगर क्षेत्र निवासी एक युवती ने कोतवाली पटेलनगर में लिखित शिकायत देकर बताया कि रोहित छाबड़ा नामक व्यक्ति ने उसे शादी करने का भरोसा दिलाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। युवती का आरोप है कि जब उसने आरोपी से शादी करने की बात कही तो उसने शादी से इनकार कर दिया। इतना ही नहीं, आरोपी ने उसके साथ गाली–गलौज करते हुए धमकी भी दी। युवती की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी रोहित छाबड़ा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 69, 351(2) एवं 352 के तहत मुकदमा दर्ज किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून ने संबंधित पुलिस अधिकारियों को आरोपी के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। एसएसपी के निर्देशों के अनुपालन में पटेलनगर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रविवार को देहराखास क्षेत्र से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।



पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान रोहित छाबड़ा (40 वर्ष) पुत्र राजकुमार छाबड़ा, निवासी मकान संख्या 104, बालाजी अपार्टमेंट, वसुंधरा एनक्लेव, देहराखास, पटेलनगर, देहरादून के रूप में हुई है। पुलिस आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

मन की बात: सीएम धामी ने सुना कार्यक्रम का 140वां संस्करण



देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को राजकीय दून मेडिकल कॉलेज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात का 140वां संस्करण सुना। इस दौरान प्रधानमंत्री ने नशामुक्ति, स्वस्थ जीवनशैली, साइबर सुरक्षा, जनसेवा और कला एवं संस्कृति के संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा किए। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ह्यमन की बातह्ल कार्यक्रम देशवासियों को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करने का एक सशक्त माध्यम है। इस कार्यक्रम के जरिए देश के विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे नवाचारों, जनसेवा के कार्यों और प्रेरणादायी प्रयासों को व्यापक पहचान मिल रही है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ समाज ही सशक्त राष्ट्र का आधार है। स्वास्थ्य के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए चिकित्सकों और चिकित्सा शिक्षा से जुड़े विद्यार्थियों की विशेष भूमिका है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी संदेशों को अपने जीवन में आत्मसात करने और समाज एवं राष्ट्र की उन्नति में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

दहेज के 20 लाख पर बिगड़ी बात, फिर बिना दुल्हन लौटी बरात

देहरादून। सात फेरे लेकर जीवनभर साथ निभाने की कस्में खाईं लेकिन शादी के कुछ घंटे बाद ही दहेज की मांग ने रिश्ते में दरार डाल दी। आरोप है कि दूल्हे और उसके परिजनों ने विदाई से पहले दुल्हन के परिवार से 20 लाख रुपये मांगे। रकम नहीं मिलने पर नवविवाहिता को दिल्ली ले जाने से इन्कार कर दिया। आखिरकार दुल्हन मायके में ही रह गई और बरात बिना दुल्हन के वापस लौट गई। शिकायत के अनुसार, देहरादून निवासी युवती का विवाह 27 नवंबर को दिल्ली निवासी युवक से गुरुद्वारे में हुआ था। विवाह की रस्में पूरी होने के बाद एक क्लब में मेहमानों के लिए प्रतिभोज आयोजित किया गया था। इससे पहले दूल्हा–दुल्हन एक ब्यूटी पार्लर में तैयार होने पहुंचे थे।आरोप है कि यहां दूल्हे के भाई और भाभी ने दहेज में 20 लाख रुपये नहीं देने पर दुल्हन और उसके भाई को अपमानित किया।

अग्निकांड प्रभावित की मदद के लिए बढ़ाया हाथ

त्यूणी। विकासखंड मोरी के पवाणी गांव में हुए भीषण अग्निकांड से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए त्यूणी गोरखा यूथ फाउंडेशन ने हाथ बढ़ाया। संगठन के सदस्यों ने गांव पहुंचकर पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और उन्हें 60 कंबल, राशन किट तथा 5100 रुपये की नकद धनराशि वितरित की। इस दौरान संगठन के सदस्यों ने कहा अग्निकांड में कई परिवारों को भारी नुकसान हुआ है। ऐसे कठिन समय में पीड़ितों की मदद करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रभावित परिवारों को भरोसा दिलाया कि वे खुद को अकेला न समझें। संगठन भविष्य में भी जरूरत के अनुसार उनकी सहायता के लिए प्रयास करता रहेगा।

कांग्रेस में गोपनीय सर्वे रिपोर्ट बनेगी प्रत्याशी चयन का आधार

देहरादून। उत्तराखंड में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अभी से अपनी चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी ने टिकट वितरण की प्रक्रिया को व्यवस्थित और प्रभावी बनाने के लिए रणनीतिक कवायद शुरू कर दी है। देहरादून में कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी की पहली बैठक में विधानसभा चुनाव की रणनीति, संभावित प्रत्याशियों के चयन और चुनावी समीकरणों पर विस्तार से चर्चा की गई। सूत्रों के अनुसार, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की स्क्रीनिंग कमेटी को चार गोपनीय सर्वे रिपोर्ट प्राप्त हुई हैं। इन रिपोर्टों के आधार पर प्रदेश की सभी 70 विधानसभा सीटों का राजनीतिक आकलन किया जाएगा। पार्टी का उद्देश्य जमीनी स्तर पर सक्रियता, जनाधार, लोकप्रियता और जीतने की क्षमता के आधार पर संभावित प्रत्याशियों की पहचान करना है।

तीन–तीन संभावित नामों का पैनल होगा तैयार

स्क्रीनिंग कमेटी की अगली बैठक से पहले प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए तीन–तीन संभावित प्रत्याशियों का पैनल तैयार किए जाने की रणनीति है। पैनल तैयार होने के बाद उम्मीदवारों की छंटनी और अंतिम नामों के चयन की प्रक्रिया शुरू होगी। पार्टी टिकट के दावेदारों की जमीनी पकड़, क्षेत्र में उनकी सक्रियता और लोकप्रियता को प्रमुख आधार मान रही है।



इसके लिए विभिन्न स्तरों पर सर्वे कराए गए हैं। इनमें कांग्रेस की स्थानीय टीम, एआईसीसी की टीम, प्रदेश कांग्रेस कमेटी और थर्ड पार्टी सर्वे की रिपोर्ट शामिल हैं। इन सभी रिपोर्टों को पार्टी हाईकमान के समक्ष रखा गया है। कांग्रेस इस बार केवल अपने संभावित प्रत्याशियों की स्थिति का आकलन नहीं कर रही है, बल्कि विपक्षी दल भाजपा के संभावित उम्मीदवारों की राजनीतिक स्थिति और चुनावी संभावनाओं का भी विश्लेषण कर रही है। पार्टी का प्रयास है कि प्रत्येक सीट पर मजबूत और जिताऊ उम्मीदवार को मैदान में उतारा जाए।

पीसीसी से लिया गया फीडबैक, रणनीति पर मंथन

बैठक में स्क्रीनिंग कमेटी की चेयरमैन दीपा दासमुंशी और अन्य सदस्यों ने प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से बंद कमरे में करीब तीन घंटे तक फीडबैक लिया। इस दौरान प्रदेश की राजनीतिक परिस्थितियों, विधानसभा क्षेत्रों के समीकरणों और संभावित प्रत्याशियों की स्थिति पर चर्चा की गई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह, चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. हरक सिंह रावत, सीडब्ल्यूसी सदस्य करण माहरा सहित अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

बैठक में यह बात प्रमुखता से सामने आई कि सर्वे रिपोर्ट के आधार पर क्षेत्र में जमीनी स्तर पर सक्रिय और लगातार जनता के बीच काम करने वाले नेताओं को टिकट वितरण में प्राथमिकता दी जाएगी।

कर्मठ कार्यकर्ताओं को मिलेगा टिकट : दीपा दासमुंशी

स्क्रीनिंग कमेटी ने प्रदेश कांग्रेस राजनीतिक मामलों की समिति के साथ भी बैठक कर सभी विधानसभा सीटों के समीकरणों पर चर्चा की। इसमें संभावित दावेदारों की दावेदारी, संगठनात्मक सक्रियता, जनाधार और स्थानीय कार्यकर्ताओं से मिले फीडबैक के आधार पर प्रत्याशी चयन की रणनीति बनाई गई।

मीडिया से संक्षिप्त बातचीत में स्क्रीनिंग कमेटी की चेयरमैन दीपा दासमुंशी ने कहा कि पार्टी के लिए काम करने वाले कर्मठ कार्यकर्ताओं को टिकट देने में प्राथमिकता दी जाएगी। उनका कहना है कि पार्टी एकजुटता के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी और जीत हासिल करने के लिए पूरी ताकत लगाएगी।

जागेश्वर संग्रहालय से प्राचीन मूर्तियां दिल्ली ले जाने की कोशिश पर भड़के लोग



अल्मोड़ा। उत्तराखंड के प्रसिद्ध जागेश्वर धाम स्थित संग्रहालय में संरक्षित प्राचीन मूर्तियों को दिल्ली ले जाने की कोशिश का स्थानीय लोगों ने जोरदार विरोध किया। शनिवार सुबह भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (अरक) की आठ सदस्यीय टीम मूर्तियों को दिल्ली ले जाने के लिए जागेश्वर पहुंची थी। इसकी जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों, पुजारियों और जनप्रतिनिधियों ने मौके पर पहुंचकर विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते मामला गरमा गया और मौके पर हंगामे की स्थिति पैदा हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, जागेश्वर धाम स्थित संग्रहालय में प्राचीन काल की कई दुर्लभ और ऐतिहासिक महत्व की मूर्तियां लंबे समय से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के संरक्षण में रखी गई हैं। शनिवार को एएसआई की टीम के साथ मूर्तियों को पैक कर दिल्ली ले जाने के लिए पैकिंग का सामान भी मौके पर पहुंच चुका था। इसकी भनक लगते ही स्थानीय लोगों और पुजारियों ने कड़ा विरोध जताया। विरोध कर रहे लोगों का कहना था कि जागेश्वर मंदिर समूह की प्राचीन विरासत से जुड़ी लकुलीश और पौराण राजा जैसी दुर्लभ मूर्तियां वर्षों से इसी संग्रहालय में संरक्षित हैं। इन मूर्तियों का धार्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व है। स्थानीय लोगों ने सवाल उठाया कि बिना क्षेत्र के लोगों को विश्वास में लिए इन ऐतिहासिक धरोहरों को दिल्ली कैसे ले जाया जा सकता है।

मौके पर विरोध और हंगामा बढ़ने के बाद एएसआई की टीम को अपना निर्णय बदलना पड़ा। बताया गया कि टीम ने मूर्तियों को दिल्ली ले जाने की प्रक्रिया रोक दी। साथ ही पूरे मामले की जानकारी और स्थानीय लोगों की शिकायतों की आख्या विभाग के महानिदेशक को भेजी गई।

प्रतिबंधित पशु के कटान के विरोध में सड़क पर उतरे लोगों ने लगाया जाम

देहरादून। वसंत विहार थाना क्षेत्र के हरबंसवाला टी–स्टेट में प्रतिबंधित पशु के कटान की घटना सामने आने के बाद स्थानीय लोगों, विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने चौराहे पर जाम लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन पर सवाल उठाते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी और क्षेत्र में इस तरह की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने की मांग की।

चेतावनी दी कि बुधवार सुबह 10 बजे तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो बड़े आंदोलन का आह्वान किया जाएगा। पुलिस ने मामले में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

बजरंग दल के प्रांत मिलन प्रमुख विकास वर्मा ने सवाल उठाया कि आखिर ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं कर पा रहा है। कहा कि घटना से स्थानीय लोगों में आक्रोश है और उन्हें सड़कों पर उतरकर विरोध करना पड़ रहा है। प्रदर्शन में राघव उपाध्याय, आशीष बलूनी और गौरव तोमर समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय लोग शामिल रहे। विधायक सविता कपूर, जोगेंद्र पुंडीर, पार्षद आशू और अन्य जनप्रतिनिधि भी मौके पर पहुंचे।

उत्तराखंड में 19 पॉलिटेक्निक कॉलेजों पर बंदी का खतरा



देहरादून। उत्तराखंड में तकनीकी शिक्षा व्यवस्था को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। प्रदेश के 19 पॉलिटेक्निक कॉलेजों को बंद करने की तैयारी की जा रही है। इन संस्थानों में लंबे समय से शिक्षकों, कर्मचारियों और बुनियादी सुविधाओं की कमी बनी हुई है। प्राविधिक शिक्षा विभाग की ओर से इन संस्थानों को बंद करने का प्रस्ताव शासन में अपर मुख्य सचिव (शिक्षा) को भेजा जा चुका है। प्रस्ताव पर आगे निर्णय होने के बाद इन कॉलेजों में अध्ययनरत 547 छात्र–छात्राओं को दूसरे पॉलिटेक्निक संस्थानों में शिफ्ट किया जाएगा।

कुमाऊंके 213 और गढ़वाल के 334 छात्र होंगे प्रभावित

प्रस्तावित व्यवस्था के तहत कुमाऊं मंडल के 10 पॉलिटेक्निक कॉलेजों में अध्ययनरत 213 छात्र–छात्राओं को दूसरे संस्थानों में भेजा जाएगा। वहीं गढ़वाल मंडल के नौ पॉलिटेक्निक कॉलेजों में पढ़ रहे 334 छात्र–छात्राएं इससे प्रभावित होंगे। इस तरह कुल 19 संस्थानों के 547 विद्यार्थियों को अन्य पॉलिटेक्निक कॉलेजों में स्थानांतरित करने की योजना है।

प्रदेश में कुल 70 पॉलिटेक्निक कॉलेज

जानकारी के अनुसार उत्तराखंड के गढ़वाल और कुमाऊं मंडल में कुल 70 पॉलिटेक्निक कॉलेज संचालित हैं। इनमें से 19 संस्थानों में लंबे समय से शिक्षकों, स्टाफ और आधारभूत सुविधाओं की भारी कमी बनी हुई है। छात्र संख्या भी काफी कम बताई जा रही है। ऐसे में इन संस्थानों का संचालन प्राविधिक शिक्षा विभाग के लिए चुनौती बनता जा रहा है।

सेमेस्टर पूरा होने के बाद होगी शिफ्टिंग

प्राविधिक शिक्षा विभाग के अपर निदेशक आर्यभूषण गुप्ता के अनुसार, इन पॉलिटेक्निक संस्थानों में लंबे समय से शिक्षकों, छात्रों और संसाधनों की कमी बनी हुई है। विभाग की ओर से संस्थानों को बंद करने का प्रस्ताव भेजा गया है। हालांकि, विद्यार्थियों की शिफ्टिंग सेमेस्टर पूरा होने के बाद ही की जाएगी। इसमें अभी समय लग सकता है।

बताया गया है कि निकाय चुनाव संपन्न होने के बाद शिफ्टिंग की प्रक्रिया पर कार्रवाई शुरू हो सकती है।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

गांगुली बोले- किसी की भी सचिन तेंदुलकर से तुलना ना करें

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने वैभव सूर्यवंशी की सचिन तेंदुलकर से तुलना पर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि किसी की भी सचिन तेंदुलकर से तुलना ना करें। सौरव गांगुली ने इसके पीछे की वजह भी बताई। उन्होंने अपनी राय टेलीग्राफ से बातचीत में तब दी, जब उनके सामने दोनों के बीच तुलना वाला सवाल आया।

सौरव गांगुली ने वैभव सूर्यवंशी की काबिलियत,उनके कारनामों को कमाल बताया। मगर सचिन तेंदुलकर से उनकी तुलना की बात को सीधे तौर पर खारिज कर दिया। गांगुली ने कहा कि सचिन से किसी की भी तुलना नहीं हो सकती। इसके पीछे की वजह बताते हुए भारतीय क्रिकेट के दादा ने कहा कि तब और आज के गेंदबाजों के बीच बड़ा फर्क है।

सचिन के समय बॉलिंग अटैक आज से अलग- गांगुली

गांगली ने कहा कि सचिन की काबिलियत, खिलाड़ी के तौर पर सबसे जुदा थी। वो भी उन बॉलिंग अटैक के खिलाफ, जो आज देखने को नहीं मिलते। उन्होंने कहा कि तब वेस्टइंडीज जाओ तो एम्ब्रोज, वॉल्श, बिशप मिलते थे। ऑस्ट्रेलिया के पास मैक्ग्रा, गिलेस्पी, ब्रेट ली और शेन वॉर्न थे। इंग्लैंड जाने पर एंडरसन, ब्रॉड मिलते थे। पाकिस्तान के खिलाफ वसीम, वकार और शोएब अख्तर से मुकाबला होता था। श्रीलंका जाओ तो मुरलीधरन और चामिंडा वास होते थे।

गांगुली ने कहा कि सचिन ने इन दिग्गज गेंदबाजों के खिलाफ अपने 100 इंटरनेशनल शतक जड़े हैं। वहीं, आज के



गेंदबाजी अटैक को देख लो। वैभव सूर्यवंशी जिनकी पहली 3 गेंदों को ही स्टैंड में मार दे रहे हैं। गांगुली ने कहा कि वैभव के पास भी जो है, वो स्किल और टैलेंट है मगर वो अलग तरह का स्किल है। सचिन के समय और आज के बॉलिंग अटैक में काफी अंतर है। अब खेल बदल चुका है। इसलिए ये कहना कि कोई सचिन तेंदुलकर है कहना गलत होगा।

टेस्ट खेलेंगे तब तो 500 रन बनाएंगे

सौरव गांगुली ने केविन पीटरसन के उस बयान पर भी टिप्पणी की, जिसमें उन्होंने कहा था कि वैभव सूर्यवंशी टेस्ट में 500 रन बनाएंगे। गांगुली ने कहा कि पहले वैभव सूर्यवंशी को टेस्ट क्रिकेट खेलेंगे तब तो वो 500 रन बनाएंगे।



टीम से दूर रहना तकलीफदेहः सूर्यकुमार



पूर्व कप्तान का छलका दर्द, टीम इंडिया में वापसी पर कही दिल की बात

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया से बाहर होना किसी भी खिलाड़ी के लिए आसान नहीं होता। टी20 वर्ल्ड कप विजेता कप्तान सूर्यकुमार यादव भी इस दौर से गुजर रहे हैं। लगातार पांच साल तक भारतीय टीम का हिस्सा रहने के बाद अचानक बाहर होने का दर्द उनके बयान में साफ झलका। हालांकि, सूर्यकुमार ने उम्मीद नहीं छोड़ी है। उनका मानना है कि हर मुश्किल दौर के बाद अच्छा समय आता है और उन्हें भी वापसी की उम्मीद है।

सूर्यकुमार यादव ने कहा कि भारतीय टीम से दूर रहना उनके लिए तकलीफदेह है। उन्होंने नागपुर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा, 'बेशक, टीम इंडिया से दूर रहना दर्दनाक है। आप लगातार पांच साल तक देश के लिए खेलते हैं और फिर अचानक भारत के लिए नहीं खेल पाते। यह दुख देता है, लेकिन खेल ऐसा ही है।'

सूर्यकुमार यादव ने आगे कहा कि इस खेल ने उन्हें पिछले दो वर्षों में काफी कुछ सिखाया है। (इंडियन प्रीमियर लीग) के बाद भी उन्हें कई चीजें सीखने को मिलीं। सूर्यकुमार ने कहा, 'जैसा कहा जाता है, सुरंग के अंत में हमेशा रोशनी होती है। तब तक खेल जारी रहना चाहिए।'

IPL के बार में ज्यादा सोच नहीं रहाः यादव

सूर्यकुमार यादव फिलहाल घरेलू क्रिकेट में मुंबई के लिए खेल रहे हैं। उन्होंने साफ किया कि वह अभी आईपीएल के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहे हैं। उनके मुताबिक, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 के बाद विजय हजारे ट्रॉफी और फिर रणजी ट्रॉफी के दूसरे चरण के मुकाबले होने हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल उनका लक्ष्य सुपर लीग के हर मैच में जीत हासिल करना और फिर फाइनल जीतना है। सूर्यकुमार यादव ने कहा कि वह अभी सिर्फ मौजूदा टूर्नामेंट पर ध्यान दे रहे हैं। टीम से बाहर होने की वजह बने खराब प्रदर्शन पर सूर्यकुमार यादव ने अपनी बल्लेबाजी का बचाव किया। उन्होंने कहा कि पिछले पांच साल से उनका खेलने का अंदाज एक जैसा रहा है और उन्हें भारत के साथ-साथ मुंबई के लिए भी बल्लेबाजी करने में मजा आया है। सूर्यकुमार यादव ने बताया कि पिछले 8-10 सप्ताह में उन्होंने बल्लेबाजी का काफी अभ्यास किया है, जिसका असर मैदान पर दिख रहा है। सूर्यकुमार के मुताबिक जितनी ज्यादा मेहनत की जाती है, किस्मत भी उतना ही साथ देती है। वह फिलहाल मैदान पर उतरने और रन बनाने से खुश हैं।

राजनीति की पिच पर उतरेंगे शमी!

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से की मुलाकात



नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद शमी ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की। इस दौरान भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष कुंवर बासित अली भी मौजूद रहे। इस मुलाकात की तस्वीर सामने आई है, जिसमें मोहम्मद शमी, नितिन नवीन और कुंवर बासित अली एक साथ नजर आ रहे हैं। हालांकि, मुलाकात के दौरान किन मुद्दों पर चर्चा हुई, इसे लेकर फिलहाल कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

जयंत चौधरी से भी मिल चुके शमी

भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद शमी की हालिया मुलाकातों ने सियासी गलियारों में चर्चाओं को तेज कर दिया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात से पहले शमी ने राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी से भी मुलाकात की थी। इन मुलाकातों के बाद शमी के राजनीति में उतरने की अटकलें लगाई जा रही हैं।दरअसल, जयंत चौधरी ने मोहम्मद शमी के साथ मुलाकात की तस्वीर अपने फेसबुक अकाउंट पर साझा की थी। उन्होंने शमी जैसे महान क्रिकेटर से मिलना सुखद अनुभव बताया था। इस मुलाकात के बाद अमरोहा समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सियासी हलकों में चर्चाएं शुरू हो गईं।

अमरोहा के रहने वाले हैं शमी

मोहम्मद शमी मूल रूप से अमरोहा के सहसपुर अलीनगर के रहने वाले हैं। पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर उनके या उनके परिवार के किसी सदस्य के राजनीति में आने की चर्चाएं चल रही हैं। दिल्ली में जयंत चौधरी से हुई मुलाकात ने इन अटकलों को और हवा दे दी। इसके बाद शमी ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से भी मुलाकात की। इस दौरान भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर बासित अली भी मौजूद रहे। इस मुलाकात की तस्वीर भी सामने आई है। हालांकि, मोहम्मद शमी की इन मुलाकातों के पीछे की वजह और उनके राजनीति में आने को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। ऐसे में फिलहाल उनके सियासी सफर को लेकर लगाई जा रही अटकलों को महज चर्चाएं ही माना जा रहा है।

क्राइस्टचर्च टेस्ट...न्यूजीलैंड की पकड़ मजबूत भारत पर 243 रनों की बढ़त, बुमराह को 2 विकेट

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा एवं आखिरी मुकाबला क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में खेला जा रहा है। इस मुकाबले में तीसरे दिन (29 नवंबर) स्टम्प तक न्यूजीलैंड ने अपनी दूसरी पारी में 3 विकेट पर 133 रन बना लिए। रचिन रवींद्र 46 और डेरिल मिचेल 5 रन बनाकर नॉटआउट हैं। न्यूजीलैंड की कुल लीड 243 रनों की हो चुकी है।

भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 246 रन बनाए। पहली पारी के आधार पर न्यूजीलैंड को 110 रनों की लीड मिली। इससे पहले न्यूजीलैंड की टीम ने अपनी पहली पारी में 356 रन बनाए थे। इस मुकाबले में टॉस भारतीय टीम ने जीता था और पहले गेंदबाजी का फैसला किया। दोनों टीम्स के बीच टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में खेला गया था, जो ड्रॉ रहा।

न्यूजीलैंड की दूसरी पारी की हाइलाइट्स

न्यूजीलैंड की दूसरी पारी में शुरुआत कुछ खास नहीं रही। कप्तान टॉम लैथम 9 रनों के निजी स्कोर पर जसप्रीत बुमराह का शिकार बने। इसके बाद बुमराह ने हेनरी निकोल्स (22 रन) को भी पवेलियन रवाना कर दिया। डेवोन कॉन्वे ने अर्धशतक जरूर लगाया, लेकिन उसके कुछ देर बाद वो वॉशिंगटन सुंदर की गेंद पर आउट हुए। कॉन्वे ने 97 गेंदों पर 51 रन बनाए, जिसमें 6 चौके शामिल रहे। यहां से रचिन रवींद्र और डेरिल मिचेल ने कीवी टीम को तीसरे दिन कोई और नुकसान नहीं होने दिया।

भारत की पहली पारी : जुरेल ने जड़े 88 रन

भारत की पहली पारी में उसका टॉप आर्डर कीवी तेज



गेंदबाजों के सामने पूरी तरह चरमरा गया। दूसरे दिन के खेल में उसने छह विकेट खो दिए थे। मैच के तीसरे दिन शुरुआत में ही अंशुल कंबोज खाता नहीं खोल सके। ओपनर केएल राहुल (25 रन), देवदत्त पडिक्कल (21 रन), कप्तान शुभमन गिल (17 रन) और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत (23 रन) ने क्रीज पर जमने के बाद अपने-अपने विकेट गिफ्ट कर दिए। वहीं सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल का खाता तक नहीं खुला।

तीसरे दिन भारत के निचले क्रम के बल्लेबाजों ने संघर्ष किया। अंशुल कम्बोज खाता नहीं खोल सके और हेनरी का शिकार बने। फिर ध्रुव जुरेल और आकाश दीप ने आठवें विकेट के लिए 46 रन जोड़कर पारी संभालने की कोशिश की। आकाश दीप 29 रन बनाकर नाथन स्मिथ का शिकार बने। यहां से गुरनूर बरार और जुरेल ने नौवें विकेट के लिए 64 रनों की साझेदारी की। गुरनूर 10 रनों के निजी स्कोर पर काइल जेमिसन का शिकार बने।

भारतीय टीम का आखिरी विकेट ध्रुव जुरेल के रूप में गिरा, जो मैट हेनरी का शिकार बने। जुरेल ने 170 गेंदों पर 88 रन बनाए, जिसमें 14 चौके शामिल रहे। न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी ने सबसे ज्यादा 4 विकेट झटके। नाथन स्मिथ, काइल जेमिसन और जैकब डफी को दो-दो सफलताएं मिलीं।

जुरेल और गुरनूर की जोड़ी ने किया कमाल... द्रविड़-वेंकटेश का 27 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच हेगली ओवल के मैदान पर सीरीज का निर्णायक दूसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है। पहली पारी में भारत की पूरी टीम 246 रन बनाकर सिमट गई। ध्रुव जुरेल और गुरनूर बरार की जोड़ी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए राहुल द्रविड़ और वेंकटेश प्रसाद का 27 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त किया। जुरेल और गुरनूर ने मिलकर नौवें विकेट के लिए 64 रनों की अहम साझेदारी निभाई, जिसके दम पर भारतीय टीम 200 रनों का आंकड़ा पार करने में सफल रही। गुरनूर क्रीज पर डटे रहे और उन्होंने 46 गेंदों का सामना करते हुए 10 रन बनाए। भारत की ओर से न्यूजीलैंड की सरजमीं पर यह 9वें या 10वें विकेट के लिए की गई तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। जुरेल-गुरनूर ने इस मामले में राहुल द्रविड़ और वेंकटेश प्रसाद को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 1999 में न्यूजीलैंड में 9वें विकेट के लिए 61 रनों की साझेदारी की थी। इस लिस्ट में पहले नंबर पर सैयद किरमानी और शिवलाल यादव की जोड़ी है, जिन्होंने 1981 में 105 रनों की पार्टनरशिप की थी।



अल्काराज और राफेल की शानदार जीत

बोलोन्या, एजेंसी। स्पेन ने डेविस कप के दूसरे सेमीफाइनल में ब्रिटेन को 2-0 से हराकर फाइनल में जगह बना ली है। स्पेन की ओर से राफेल जोडार और कार्लोस अल्काराज ने अपने-अपने एकल मुकाबले सीधे सेटों में जीतकर टीम को खिताबी मुकाबले तक पहुंचाया। दोनों खिलाड़ियों की शानदार जीत के कारण डबल्स मुकाबला कराने की जरूरत ही नहीं पड़ी।



अल्काराज ने आर्थर फेरी को सीधे सेटों में हराया

दुनिया के नंबर-2 टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने ब्रिटेन के आर्थर फेरी को 6-2, 6-1 से हराकर स्पेन की फाइनल में जगह पक्की कर दी। अल्काराज ने शुरुआत में थोड़ी धीमी गति से खेला, लेकिन जल्द ही लय हासिल कर ली। उन्होंने पहले सेट में शानदार प्रदर्शन किया और दूसरे सेट में दो बार विपक्षी खिलाड़ी की सर्विस तोड़कर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

राफेल जोडार ने कैमरून नॉरी को दी मात

इससे पहले राफेल जोडार ने ब्रिटेन के कैमरून नॉरी को 6-2, 7-5 से हराकर स्पेन को पहली जीत दिलाई थी। जोडार ने पहले सेट में दो बार नॉरी की सर्विस तोड़ी। दूसरे सेट में नॉरी ने वापसी करने की कोशिश की, लेकिन जोडार ने अहम मौके पर फिर सर्विस ब्रेक हासिल कर मैच जीत लिया।स्पेन की टीम ने ब्रिटेन के खिलाफ दोनों एकल मुकाबले सीधे सेटों में जीतकर सेमीफाइनल में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की।

विश्व चैंपियनशिप

गुकेश और सिंदारोव के बीच लगातार चौथा मुकाबला ड्रॉ

जिनेवा, एजेंसी। विश्व शतरंज चैंपियनशिप के चौथे गेम में भी भारत के डी गुकेश और उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा। 34 चालों के बाद समाप्त हुई इस बाजी के साथ दोनों खिलाड़ियों के बीच लगातार चौथा गेम बराबरी पर छूटा। चार गेम के बाद स्कोर 2-2 है। अब पांचवें गेम में सिंदारोव सफेद मोहरों से खेलेंगे। विश्व शतरंज चैंपियनशिप में मौजूदा चैंपियन डी गुकेश और उज्बेकिस्तान के चुनौतीवीर जावोखिर सिंदारोव के बीच खिताबी जंग लगातार रोमांचक होती जा रही है। शुक्रवार को खेले गए चौथे गेम में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इसके साथ ही चैंपियनशिप में लगातार चौथी बाजी बराबरी पर छूटी। सफेद मोहरों से खेल रहे भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने सिंदारोव की रक्षात्मक रणनीति को भेदने की कोशिश की, लेकिन उन्हें कोई निर्णायक सफलता नहीं मिली। दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला और 34 चालों के बाद बाजी ड्रॉ घोषित कर दी गई।मुकाबले के दौरान गुकेश और सिंदारोव दोनों ने काफी सतर्कता के साथ खेल दिखाया। किसी भी खिलाड़ी ने बड़ा जोखिम लेने से परहेज किया।

IPL...पहली बार कोच के तौर पर साथ दिखेंगे गांगुली-युवराज, नीलामी से पहले दिल्ली लगाएगी ट्रायल कैंप

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली और युवराज सिंह पहली बार कोचिंग की भूमिकाओं में एक साथ नजर आ सकते हैं। दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल मिनी ऑक्शन से पहले सात दिसंबर से कोलकाता में चार दिवसीय ट्रायल कैंप आयोजित करने की तैयारी कर रही है। इस कैंप में टीम के मुख्य कोच सौरव गांगुली और नवनियुक्त बल्लेबाजी सलाहकार युवराज सिंह खिलाड़ियों की प्रतिभा परख सकते हैं।

घरेलू खिलाड़ियों पर नजरें

दिल्ली कैपिटल्स का यह ट्रायल कैंप जादवपुर यूनिवर्सिटी के सेकेंड कैंपस ग्राउंड या करुणामयी स्थित 22 यार्ड्स अकादमी ग्राउंड में आयोजित किया जा सकता है। इस दौरान कई बंगाल के घरेलू क्रिकेटरों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलने की उम्मीद है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने वाले करण लाल संभावित खिलाड़ियों में शामिल हो सकते हैं। उनके अलावा तेज गेंदबाज सायन घोष, कनिष्क सेठ और



बल्लेबाज सुदीप कुमार घरामी पर भी टीम की नजर रहने की संभावना है। इस ट्रायल कैंप के जरिए गांगुली और युवराज को आईपीएल मिनी ऑक्शन से पहले संभावित खिलाड़ियों को करीब से देखने और उनकी क्षमता का आकलन करने का मौका मिलेगा। आईपीएल का मिनी ऑक्शन 16 दिसंबर को गोवा में आयोजित होना है।

केकेआर भी ईडन गार्डन्स में लगाएगी ट्रायल कैंप

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) भी आईपीएल मिनी ऑक्शन से पहले चार दिवसीय ट्रायल कैंप आयोजित करने पर विचार कर रही है। यह कैंप 4 से 7 दिसंबर तक ईडन गार्डन्स में हो सकता है। फ्रेंचाइजी ने इस संबंध में क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) से मैदान उपलब्ध कराने के लिए संपर्क किया है। अगर यह कैंप आयोजित होता है तो केकेआर के मुख्य कोच अभिषेक नायर, मेंटर ड्वेन ब्रावो, सहायक कोच आंद्रे रसेल और शेन वॉटसन इसमें मौजूद रह सकते हैं। इस दौरान फ्रेंचाइजी उन खिलाड़ियों को मौका दे सकती है जो फिलहाल किसी टीम से जुड़े नहीं हैं। इसके अलावा घरेलू क्रिकेट के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी बुलाया जा सकता है। तेज गेंदबाज आकाश दीप पर भी टीम की नजर हो सकती है। आकाश दीप पिछले सीजन में केकेआर से जुड़ने से पहले बंगाल की ओर से खेलते थे, लेकिन इस बार फ्रेंचाइजी ने उन्हें रिटेन नहीं किया है।